पर्यावरण मित्र
Friends of Environment

Issue#11 January, 2014 अंक#११ जनवरी, २०१४

INDEX

विषय सूची

Restoring Land Fertility

President's Message 03
Progressing from One Beegha to Two Beegha Organic Farming Project 04
Organic Farmers Market - Delhi 05
Organic Farming, Organic Manure, Organic Grains, Organic Taste ..... 06 - 07
Jaivik Mela Comments ..... 07 - 08
9th Paryavaran Mitra Founders Day ..... 09 - 10

बढायें जमीन की उपजाऊ शक्ति

अध्यक्ष का संदेश ०३
एक बीघा से दो बीघा जैविक खेती परियोजना ०४
ऑर्गेनिक फार्मर्स मार्केट – दिल्ली..... ०५
जैविक खेती, जैविक खाद, जैविक अनाज, जैविक स्वाद ..... ०६ – ०७
जैविक मेला टिप्पणियाँ ..... ०७ – ०८
९वां पर्यावरण मित्र स्थापना दिवस ..... ०९ – १०

Breathing Purity

Awareness in School Children Through Forest Visit ..... 11 - 12
World Anti Tobacco Day ..... 13 - 14
Tree Plantation 2013 15
State Level Workshop on Plantation-Lucknow... 16

सांस लें निर्मल वायुमंडल में

वन दर्शन के माध्यम से स्कूली बच्चों में जागरूकता अभियान ..... ११ – १२
विश्व तम्बाकू निषेध दिवस ..... १३ – १४
वृक्षारोपण २०१३ ..... १५
राज्य स्तरीय वृक्षारोपण कार्यशाला–लखनऊ १६

Thirst for Cleanliness

World Water Day 17
Water Recharging ..... 18 - 19
Clean and Green Fair - Bateshwar 19
Roof Top Water Harvesting 20

बुझायें प्यास स्वच्छ ता की

विश्व जल दिवस १७
भू – जल संरक्षण ..... १८ – १९
बटेश्वर में हरित मेला १९
वर्षा जल संचयन २०

Preserving our Atmosphere

World Earth Day 21
World Forest Day ..... 22 - 24
World Environment Day ..... 24 - 25
Ginger - A Medicine 26

बचायें अपना पर्यावरण

विश्व पृथ्वी दिवस २१
विश्व वनिकी दिवस ..... २२ – २४
विश्व पर्यावरण दिवस ..... २४ – २५
अदरक– एक औषधि २६

Paryavaran Mitra

Lifetime Mebers..... 27
Paryavaran Mitra - Activities, Awareness Campaigns & Contacts 28

पर्यावरण मित्र

आजीवन सदस्य..... २७
पर्यावरण मित्र – गतिविधियां, जागरूकता अभियान और सम्पर्क २८

For suggestions and information contact:
Kiran Bajaj - President, Phone: 022-22182139, 22185933,
Fax: 022-22189075, E-mail: ksb@bajajelectricals.com
Phone: 05676-234018, Fax: 05676-234018, 234300
E-mail: pmhoskb@gmail.com

अतिरिक्त सुझाव व जानकारी के लिए :
किरण बजाज – अध्यक्ष, फोन : ०२२–२२१८२१३९, २२१८५९३३
फैक्स : ०२२–२२१८९०७५, ई–मेल : ksb@bajajelectricals.com
फोन : ०५६७६–२३४०१८, फैक्स : ०५६७६–२३४०१८,२३४३००
ई–मेल : pmhoskb@gmail.com

Website: www.paryavaranmitra.com

President's Message

Paryavaran Mitra is now entering its 10th year. We have worked to reduce wind, water, land and sound pollution and would continue to work on the same. It is very frustrating when one sees the various pollutants increasing in gigantic proportions.

Animals do not pollute nature but instead play a positive role in balancing nature. It is therefore necessary to change the basic thinking from childhood onwards to inculcate the love for nature and control pollution. This will have to be done by each and every citizen.

To save the world from wind, water, land and sound pollution, various educational institutes, parents, teacher etc. will need to work continuously. Business organisations as part of their social responsibility work towards reducing pollution avoid toxic and non-biodegradable material to follow the nature's law.

Each one will need to work towards saving nature and leave a better world for our children. That is real humanity and love for the country.

Sometimes it's disheartening and disgraceful to see that arrays of pollutants are increasing in gigantic proportions in spite of preventive measures taken at every level. With the commencement of the 10th year of Paryavaran Mitra, we will strive harder to reduce air, water, land and sound pollution, and will continue to do so in the coming years.

The primary reason behind the degradation of nature is corruption and carelessness of the masses. In our society, selfishness, greed and consumerism dominate over the environment and thus, the thought of preserving it is often neglected.

We all have a notion that animals pollute the environment, but in reality they play an integral role in balancing our nature. Each and every citizen must leave behind such notions and think from a new perspective that will gradually help us control pollution.

To spread awareness and eradicate all kind of pollutions, educational institutes, parents and teachers will have to work at grass-root levels and inculcate love for nature. Business organisations as part of their social responsibility are already working towards reducing pollution and avoiding toxic and non-biodegradable material to follow the nature's law.

Each one will have to work towards saving our nature and leave a better world for our children. And that will be real humanity and love for country.

Kiran Bajaj

अध्यक्ष का संदेश

पर्यावरण मित्र अब 10 वें वर्ष में प्रवेश कर रहा है। हमने हवा, पानी, भूमि और ध्वनि प्रदूषण को कम करने के लिए कार्य किया है एवं इसके लिए कार्य जारी रखेंगे। यह बहुत ही निराशाजनक है कि हम सभी अनेक प्रकार के प्रदूषणों को विशाल मात्रा में बढ़ते हुए देख रहे हैं।

इसके मुख्य कारण भ्रष्टाचार में बढ़ोतरी एवं लोगों द्वारा की जा रही लापरवाही है। स्वार्थ, लालच एवं उपभोक्तावाद की प्रवृत्ति, प्रकृति के असंतुलन को प्राथमिकता दे रहे हैं।

जानवर प्रकृति को नुकसान नहीं पहुंचाते अपितु प्रकृति को संतुलित रखने में सकारात्मक भूमिका निभाते हैं। इसलिए यह आवश्यक है कि बचपन से ही प्रकृति के प्रति प्रेम एवं प्रदूषण नियंत्रण के प्रति विचारों को परिवर्तित किया जाए। यह प्रत्येक नागरिक को करना होगा।

विश्व को हवा, पानी, भूमि और ध्वनि प्रदूषण से बचाने के लिए सभी शैक्षणिक संस्थाओं, अभिभावकों तथा शिक्षकों आदि को प्रत्येक स्तर पर निरन्तर कार्य करना होगा। व्यवसायिक प्रतिष्ठानों को अपने सामाजिक उत्तरदायित्व को ध्यान में रखते हुए एवं प्रकृति के नियमों का पालन करने के लिए प्रदूषण कम करने तथा जहरीले और गैर पुनर्चक्रित वस्तुओं को त्यागना होगा।

प्रत्येक को प्रकृति की रक्षा के निमित्त एवं आने वाली पीढ़ी के लिए साफ सुथरा विश्व सौपने के लिए कार्य करने की आवश्यकता है। यही सच्ची मानवता एवं देश के प्रति प्रेम है।

किरण बजाज

Progressing from One Beegha to Two Beegha Organic Farming Project

Under their 'Gram Kisan Jaivik Jagarukta Abhiyan', Paryavaran Mitra has, by making the farmer aware about organic farming, given shape to their project of cultivating their respective one beegha plots. The organisation has, from the very beginning, believed that organic farming is the one of way to keep air, water and soil uncontaminated. Hence, training was imparted. First, the selected farmers were made aware, at Hind Parisar, of the techniques of making organic manure and pesticide as well as farming.

Om Prakash, Jalalpur
ओम प्रकाश, जलालपुर

Sanjeev Kumar, Keshari
संजीव कुमार, केशरी

एक बीघा से दो बीघा की ओर बढ़ती जैविक खेती परियोजना

पर्यावरण मित्र ने किसानों को अपने 'ग्राम किसान जैविक जागरूकता अभियान' के अन्तर्गत जैविक खेती के बारे में जागरूकता कर उनके एक बीघा जमीन पर खेती करने की अपनी योजना को मूर्त रूप दिया। संस्था का प्रारम्भ से ही मानना है कि हवा, पानी मिट्टी को शुद्ध रखने के लिये जैविक खेती ही एकमात्र रास्ता है, अतः किसानों को एक बीघा खेती करने का प्रशिक्षण दिया गया। सबसे पहले चयनित किसानों को हिन्द परिसर स्थित जैविक खाद एवं कीटनाशक बनाने एवं खेती करने के तरीके के बारे में जानकारी दी गई। फसलों का क्षेत्र अवलोकन कराया गया। प्रमाणित जैविक बीज का प्रदर्शन किया गया। फिर किसानों को अपने खेत की मिट्टी जाँच कराने की सलाह दी गई।

Ramesh Duve, Rajaura
रमेश दुवे, रजौरा

Rajveer Singh, Katauri
राजवीर सिंह, कटौरी

Dilip Kumar, Keshari
दिलीप कुमार, केशरी

Aaram Singh, Jalalpur
आराम सिंह, जलालपुर

Devidas, Jalalpur
देवीदास, जलालपुर

The fields were inspected. Proven organic seeds were exhibited. Then the farmers were advised to get the soil of their fields tested. Thereafter, the organisation sent its volunteers to the fields of the selected farmers to collect soil samples, and to educate the farmers as to what kind of soil should be collected for testing and how. Paryavaran Mitra got the soil samples tested at subsidised rates, informed them about the deficiencies in their fields and the corresponding remedies. Seeds were also given to the farmers participated in the process with great enthusiasm.

One beegha farm of each of the 37 farmers were prepared before sowing and provided with NADEP or earthworm manure pit.

Vipin Shukla, Lakhanpura
विपिन शुक्ला, लखनपुरा

Rajesh Kumar, Keshari
राजेश कुमार, केशरी

संस्था ने अपने कार्यकर्ताओं को गांव भेजकर चयनित किसानों के खेत की मिट्टी के नमूने लिए, किसानों को मिट्टी जांच के लिए कैसे और किस प्रकार की मिट्टी लेनी चाहिए इसके तरीके बताए।

किसानों ने इस प्रक्रिया में बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया। पर्यावरण मित्र ने किसानों को अनुदानित मूल्य पर उनके खेत की मिट्टी की जांच कराई एवं उनके खेतों में कमी एवं उसके निदान के बारे में बताया। फसल लगाने के पूर्व 37 किसानों के यहां एक बीघा क्षेत्र की तैयारी कराई गई एवं प्रत्येक किसान के यहाँ नाडेप या केंचुआ खाद के प्रकल्प बनवाए गए। संस्था ने उन्हीं किसानों को एक बीघा जैविक खेती परियोजना में सम्मिलित किया जिनके पास पशु हैं। खेती की तैयारी के बाद किसानों को जैविक बीज संस्था ने अपनी देखरेख में एवं उनको तकनीकी सलाह दी। निरन्तर उनकी फसलों का अवलोकन एवं किसी समस्या पर ध्यान देकर उसका निदान किया। अब तक कुल 51 किसान इस परियोजना से जुड़ गये हैं।

Organic Farmers Market - Delhi

In order to encourage organic products and to apprise the society about their benefits, Paryavaran Mitra participated in the Farmers' Market organised by Delhi Organic Farmers Market Committee in Jorbagh, New Delhi. In this market, exhibition-cum-sale is organised by farmers or their groups who produce organic products. Thus farmers or their groups can directly reach the consumers. This is an opportunity where they can not only sell organic products, but also impart information about the methods of their production and it's advantages.

In the farmers market, various organic products were exhibited in our stalls like wheat, different types of pulses, bajra, mustard, alsi (linseed), potato, black and yellow mustard, mustard oil, til (sesame), and a variety of pickles (mango, amla, garlic etc.) with some medicinal plants.

The Consumers evinced great interest by buying and also ordering our products.

Montek Singh Ahluwalia, Vice Chairman, Planning Commision, at PM stall observing organic products.

मोन्टेक सिंह आहलूवालिया, अध्यक्ष, योजना आयोग पर्यावरण मित्र के स्टाल पर जैविक सामग्री देखते हुए।

Ambar Nag with Montek Singh Ahluwalia & his wife.

श्रीमती एवं श्री मोन्टेक सिंह आहलूवालिया के साथ अम्बर नाग।

ऑर्गेनिक फार्मर्स मार्केट – दिल्ली

जैविक उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए एवं समाज को जैविक उत्पादों से होने वाले लाभ से अवगत कराने के लिए पर्यावरण मित्र ने दिल्ली आरगेनिक फार्मर्स मार्केट कमिटि द्वारा दिल्ली जोर बाग में आयोजित होने वाले फार्मर्स मार्केट में अपनी प्रतिभागिता सुनिश्चित की। इस मेले में जैविक उत्पादन कर रहे किसान अथवा उनके समूह द्वारा बिक्री एवं प्रदर्शनी लगायी जाती है, जहां वें सीधे उपभोक्ताओं तक पहुँच सकते हैं। इस मेले में अपने स्टॉल पर हम न सिर्फ जैविक उत्पादों की बिक्री करते हैं बल्कि उनके उत्पादन के तरीके, लाभ के बारे में जानकारी भी देते हैं।

दिल्ली के फार्मर्स मार्केट में हमारे स्टॉल पर विभिन्न जैविक उत्पादः गेहूँ, विभिन्न प्रकार की दालें, बाजरा, राई, अल्सी, आलू, काली–पीली सरसों, सरसों का तेल, तिल, विभिन्न प्रकार के अचार (आम, आँवला, लहसुन आदि), प्रदर्शित किए गये। उपभोक्ताओं ने विभिन्न प्रकार के जैविक उत्पादों को खरीदने एवं जानने में रूचि दिखाते हुए खरीदारी की एवं बुकिंग की।

Paryavaran Mitra volunteers with Kiran Bajaj.

श्रीमती किरण बजाज के साथ पर्यावरण मित्र स्वयंसेवक।

Visitors writing their suggestions at Paryavaran Mitra stall.

पर्यावरण मित्र स्टाल पर अपने सुझाव लिखते एवं पत्रक देखते लोग।

Organic Farming, Organic Manure, Organic Grains, Organic Taste

On 2nd October, 2013, and on the occasion of Gandhi Jayanti, an exhibition was organised by Paryavaran Mitra near Narayan College and Hind Lamps Gate No. 2. The idea was to create awareness about organic farming, organic manure, organic grains, organic seeds, fruits and flowering plants.

Paryavaran Mitra has been arranging such fairs in the city for the last two years on Gandhi Jayanti. The message is sought to be given that Gandhiji's India is the India of villages. In order to keep the earth, water and health in good condition, the farmers should not only renounce chemicals, but also adopt organic farming while safeguarding the local cattle and resources.

जैविक खेती, जैविक खाद, जैविक अनाज, जैविक स्वाद

दिनांक 2 अक्टूबर, 2013 को गाँधी जयन्ती के अवसर पर नारायण कालेज के पास एवं हिन्द लैम्प्स गेट नं. 2 के पास पर्यावरण मित्र द्वारा जैविक जागरूकता के उद्देश्य से जैविक खेती, जैविक खाद, जैविक बीज, जैविक अनाज, फल, फूल के पौधों की प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।

पर्यावरण मित्र विगत दो वर्षों से गाँधी जयन्ती के अवसर पर नगर में ऐसे मेले का आयोजन कर यह संदेश देना चाहता है कि गाँधी का भारत गाँव का भारत है और ग्रामीण कृषक बन्धु अपनी धरती, जल और अपने स्वास्थ्य को सही रखने के लिए रसायन को त्यागें और स्थानीय पशु धन और संसाधन को बचाते हुए जैविक खेती अपनाएं।

On Gandhi Jayanti, farmers nspecting the organic seeds at Paryavaran Mitra stall.

गांधी जयन्ती पर आउटलेट के पास लगी पर्यावरण मित्र के स्टॉल पर जैविक बीज देखते किसान।

Organic products displayed at Paryavaran Mitra stall set up near Narayan College.

नारायण महाविद्यालय के पास लगी पर्यावरण मित्र की स्टॉल पर रखी जैविक सामग्री।

Members of Shabdam Advisory Board at the stall.

स्टॉल पर उपस्थित शब्दम् सलाहकार मण्डल।

Visitors gathering information on organic seeds and vegetables.

पर्यावरण मित्र के स्टॉल पर जैविक बीज एवं सब्जी की जानकारी लेते लोग।

पर्यावरण मित्र ने बुधवार को जैविक खाद से उत्पन्न फलों और पौधों की प्रदर्शनी लगाई।

पर्यावरण मित्र ने लगाई जैविक खाद से उत्पन्न

शिकोहाबाद| हिन्दुस्तान संवाद

पर्यावरण मित्र द्वारा जैविक उत्पाद प्रदर्शनी का आयोजन नारायण महाविद्यालय के गेट पर किया। इसमें लोगों को रसायनिक खादों से होने वाले दुष्प्रभाव के बारे में जानकारी दी गई। जैविक खादों से तैयार किये गये पेड़, सब्जियों और फलों को रखा गया। शशिकांत पाण्डेय ने किसानों को जानकारी देते हुए बताया कि किसानों की बढ़ती रासायनिक खादों के उपयोग से खेत की उर्वरा शक्ति खत्म हो रही है। रासायनिक खादों के उपयोग से उत्पन्न सब्जियां व अनाज के उपयोग से बीमारी बढ़ रही है। हमें अपने पुरानी पद्धति की ओर लौटकर जैविक खाद का उपयोग करना होगा। इससे हम बहुत से रोगों से बच सकते हैं। गोमूत्र, गो का गोबर खेती के लिए अति लाभकारी है। किरन बजाज ने कहा कि प्रदूषित वातावरण में शुद्ध भोजन और खाद्य पदार्थों की लगातार कमी होती जा रही है। लोग रासायनिक खादों का अंधाधुंध प्रयोग कर जमीन को प्रदूषित कर रहे हैं लेकिन इससे सभी के स्वास्थ्य पर विपरीत असर पड़ रहा है। लोगों को इसी बात को समझने की आवश्यकता है।

'गांधी को जानो' प्रदर्शनी लगाई

The fair was visited by college students, farmers, professors, businessmen etc. They received information about plants, methods of preparing organic manures and doing organic farming.

About 2000 people attended the exhibition and bought vegetables, plants, grains, manures etc. People suggested that such fairs should be organised at regular intervals in the city, so that awareness could be spread across wider number of people.

पर्यावरण मित्र द्वारा आयोजित इस मेले में अधिकाधिक रूप से कॉलेज में पढ़ने वाले छात्र, कृषक बन्धु, प्रोफेसर, व्यवसायी आए। लोगों ने पौधों से लेकर जैविक खाद बनाने के तरीके, खेती किस प्रकार की जाए, उसके तरीके के बारे में जानकारी प्राप्त की।

लगभग 2000 लोगों ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया एवं सब्जी से लेकर पौधे, अनाज, खाद की खरीदारी की। लोगों ने सुझाव दिया कि नगर में ऐसे मेलों का आयोजन होते रहना चाहिए जिससे निरन्तर जागरूकता बढ़ती रहेगी।

Jaivik Mela Comments

"The work that Paryavaran Mitra is carrying out is in fact, in the interest of the nation. It is because, what the government of the country should be doing, is undertaken by a private institution. The work is being undertaken by having in viewpoint the population of the future generation. I am highly impressed by this work and I will make use of the products that I have bought. The company representatives are requested to keep the rates of the foodstuffs possibly low, which are costlier than the market.

"A counter for sales should be set up in Shikohabad city, to ensure that these products could be made available to the people of the city. Such places could be State Bank Square, Narayan Square, Pucca Talab, Shikohabad."

- Subhash Chandra Gupta,
President, Chamber of Commerce, Shikohabad

जैविक मेला टिप्पणियाँ

"पर्यावरण मित्र जो काम कर रहा है। वह वास्तव में एक देश हित में है क्योंकि जो देश की सरकार को करना चाहिये वह एक प्राइवेट संस्था कर रही है। इससे आने वाली पीढ़ी की जनसंख्या को ध्यान रखते हुए कार्य किया जा रहा है। इस कार्य से मैं बहुत प्रभावित हुआ हूँ और जो मैंने सामान खरीदा है, उसे इस्तेमाल करूँगा। कम्पनी प्रतिनिधि से यह निवेदन है कि खाने वाली चीजें जो बाजार से महँगी है थोड़े रेट अगर हो सके तो कम करने की कृपा की जाये।

"नगर शिकोहाबाद में बिक्री हेतु एक काउन्टर लगना चाहिये जिससे नगर के लोगों को यह सामान प्राप्त हो सके।"

– सुभाष चन्द्र गुप्ता,
अध्यक्ष, व्यापार मण्डल, शिकोहाबाद

Jaivik Mela Comments

"Exhibition of organic products by Paryavaran Mitra is an important initiative. It is making people aware of the dangers of hazardous chemicals. We were very much impressed with the display by Paryavaran Mitra. Paryavaran Mitra's efforts towards addressing the burning problems of pollution and health, are praiseworthy. Availability of organic products at their stall added to the relevance of the exhibition."

- Arvind Tiwari

"पर्यावरण मित्र जो कार्य कर रहा है वह अत्याधिक सराहनीय है। जिससे पर्यावरण का सुधार हो रहा है। मानव जाति का स्वास्थ्य भी सुधर रहा है। शहर शिकोहाबाद में यदि एक बिक्री काउन्टर की व्यवस्था कर दी जाती है तो वह एक सराहनीय कार्य होगा।"

– एस. के. मित्तल

"यह कार्य जो आपने किया है यह वास्तव में जनहित एवम् जीवहित में किया कार्य है। इससे मानव जाति को काफी लाभ होगा और गौमूत्र से अनेक कीटनाशक दवा बनाकर अनेक बीमारी से लाभ होगा ऐसा मेरा विश्वास है। इस कार्य के लिए हमारी तरफ से आपके जैविक परिवार को बहुत–बहुत धन्यवाद।"

– नरेन्द्र सिंह

"जो कार्य आपने अपने हाथ में लिया है वह बहुत ही उच्चकोटि की आपकी पहल है क्योंकि आज अधिक कीटनाशक का प्रयोग होने से बहुत अधिक व्यक्तियों में बीमारी का प्रकोप हो गया है। उसमें काफी सुधार होगा।"

– रामहरी, कौरारा खुर्द

"पर्यावरण मित्र द्वारा सभी कार्यक्रम जन हित ही में आपके द्वारा चलाये जा रहे सभी कार्यक्रम से काफी प्रभावित हूँ। मैं संस्था की अध्यक्षा से मिलना भी चाहता हूँ और कुछ सुझाव भी देना चाहता हूँ।"

– चरण सिंह यादव

"आप पर्यावरण दिवस पर हम सभी सफल बनाने के लिये संकल्प लें और इच्छा शक्ति के द्वारा इसे सफल बनायें।"

– मुकेश अग्रवाल, कल्पतरू, शिकोहाबाद

जैविक मेला टिप्पणियाँ

"जैविक उत्पादों की प्रदर्शनी लगाना एक महत्वपूर्ण कार्य है। लोग हानिकारक रसायनों से होने वाले खतरों के प्रति सजग हो रहे हैं।

"पर्यावरण मित्र द्वारा डिसप्ले देखकर बेहद खुशी हुई। देश की ज्वलंत समस्या प्रदूषण और स्वास्थ्य जागरूकता को लेकर पर्यावरण मित्र का प्रयास सराहनीय है। स्टाल पर जैविक सब्जियों की उपलब्धता से मन प्रफुल्लित हो गया।"

– अरविन्द तिवारी

"आज विश्व पर्यावरण दिवस पर हम तभी सफल हो सकते हैं जब हम अपने अन्दर पर्यावरण को सुरक्षित रखने के लिये अपनी इच्छा शक्ति निश्चित कर इस कार्यक्रम में सहयोग और लोगों की प्रदूषण रोकने के लिये प्रेरित करें।"

– राजेश गुप्ता, जिला अध्यक्ष, 'कल्तपरू', शिकोहाबाद

"पर्यावरण मित्र जो कार्य कर रहा है हम उसके बहुत ही आभारी हैं। यह आगे चलकर हमारी पीढ़ी को बीमारी मुक्त करने का प्रयास कर रहा है। जो अच्छा कार्य है। इस कार्य के लिये पर्यावरण मित्र को बहुत धन्यवाद देते हैं और इस कार्य में मैं पूर्ण रूप से सहयोग करूँगा।"

– असलेन्द्र सिंह

"पर्यावरण मित्र स्टाल का अवलोकन करने के बाद आभास हुआ कि आज भी हमारे भारत देश में लोग धरा को सहजने के लिए आगे की भावी पीढ़ी को शुद्धता व सुन्दर धरा प्रदान करने के लिये कार्यरत हैं। मैं ऐसे लोगों को नमन करता हूँ।"

– डी. पी. सिंह

"दवा में प्रयोग होने वाले पौधे के नाम, प्रयोग, और उपयोगिता के साथ सूची के रूप में स्टाल पर अवश्य लगे होने चाहिएं ताकि लोगों को पौधों की उपयोगिता की जानकारी हो सके।"

– विजेन्द्र सिंह, पत्रकार

"मैं ईश्वर से प्रार्थना करता हूँ कि पर्यावरण मित्र शिकोहाबाद जैसी सभी को सद्धबुद्धि दें और पर्यावरण कार्य कार्यक्रम में शामिल रहे।"

– मेजर बिहारी सिंह

9th Paryavaran Mitra Founders Day Celebration with Organic Farmers

On 24th September 2013, Paryavaran Mitra celebrated its 9th foundation day. Starting with rendition of 'Vande Mataram', 'Mangal Geet' and Dr. Rajni Yadav presenting potted plants to the guests, the message of Kiran Bajaj, President, Paryavaran Mitra, was read which said "Humanity is facing problems because of the disrespect of culture and nature. We will have to keep the inward and outward environment uncontaminated. The body and mind can remain happy only with pure food. Only then can culture be strengthened."

Gaurav Verma, Paryavaran Mitra worker, recited Prof. Nandlal Pathak's ghazal "nabh rahe neela, dhara dhani rahe dhani" (Let sky remain blue, and the earth green).

Dr. Shubhanjana Pandey, Distt. Agriculture Officer, Firozabad shared her views on organic farming and soil conservation. R.D. Bagla, Dy. Director, Agriculture informed farmers about the importance of organic farming and how it is applicable.

Pushpendra Sharma, Agriculture Specialist, Paryavaran

जैविक खेती करने वाले हुए सम्मानित पर्यावरणमित्र ने मनाया नौवां स्थापना दिवस

पर्यावरणमित्र संस्था ने अपना नौवां स्थापना दिवस हर्षोल्लास से मनाया। आयोजन का शुभारंभ वंदेमातरम और स्वागत गान के साथ हुआ। तत्पश्चात संस्था सदस्य डॉ रजनी यादव ने अतिथियों का हरित–कलश देकर स्वागत किया। उन्होंने श्रीमती बजाज के संदेश को प्रस्तुत करते हुए कहा कि संस्कृति और प्रकृति का अनादर करने से मानव के समक्ष कठिनाइयां आ रही हैं। मनुष्य को अपने अंदर और बाहर, दोनों जगह का वातावरण शुद्ध रखना होगा। शुद्ध अन्न से ही शरीर और मन प्रसन्न रह सकता है। और इसी के प्रयोग से संस्कृति को बल मिल सकता है। इस क्रम में पीएम कार्यकर्ता गौरव वर्मा ने वरिष्ठ ग़ज़लकार नंदलाल पाठक की ग़ज़ल–नभ रहे नीला, धरा धानी रहे प्रस्तुत की।

जैविक खेती एवं भूमि संरक्षण के विषय पर जिला कृषि अधिकारी शुभांजना पांडे ने विस्तार से जानकारी दी। उपकृषि निदेशक आर. डी. बागला ने जैविक कृषि के लाभ के बारे में किसानों को बताया। इसके साथ ही उन्होंने यह भी बताया कि इसे क्रियान्वित कैसे किया जाए। कृषि विशेषज्ञ पुष्पेंद्र शर्मा ने जैविक खाद और कीटनाशक निर्माण की विधियों की जानकारी दी।

A group photo of Officials and organic farmers present in the programme.

कार्यक्रम में एक समूह में उपस्थित अधिकारीगण एवं जैविक किसान।

Mitra told about methods of preparation of organic manure and pesticides.

R.D. Bagla, Deputy Director, Agriculture answered questions and offered solutions to the problems of organic farmers.

37 organic farmers from various villages were then honoured by Paryavaran Mitra. These farmers, inspired by the work done by Paryavaran Mitra, have been producing organic products, for the past two years.

Chief guest Ravindra Kumar, S.D.M., Shikkohabad, termed the activities of Paryavaran Mitra unique and appreciable.

Gaurav Verma proposed the vote of thanks.

इसके उपरांत समारोह में उपस्थित उपकृषि निदेशक द्वारा जैविक खेती के संबंध में किसानों की समस्याओं एवं प्रश्नों का समाधान किया गया। समारोह के अंत में उपस्थित सभी अधिकारियों द्वारा जैविक खेती कर रहे 37 किसानों को सम्मानित किया गया। ये किसान पिछले दो वर्षों से पर्यावरण मित्र की प्रेरणा से जैविक पदार्थों का उत्पादन कर रहे हैं। मुख्य अतिथि एसडीएम शिकोहाबाद ने पर्यावरण मित्र के कार्यों को बेजोड़ और सराहनीय बताया। क्षेत्रीय प्रसार प्रबंधक गौरव कुमार ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस मौके पर जैविक खेती के प्रोत्साहन में शामिल किसानों को सम्मानित किया गया एवं उनकी विभिन्न समस्याओं और जिज्ञासाओं का कृषि विभाग के अधिकारियों ने समाधान किया।

जैविक खेती पर किसान सम्मानित

पर्यावरणमित्र ने मनाया अपना 9 वां स्थापना दिवस

Organic farmers from various villages in a group.

कार्यक्रम में उपस्थित विभिन्न गांव के जैविक किसान।

‘प्रकृति के अनादर से बढ़ रही मुश्किलें’

अमर उजाला ब्यूरो

शिकोहाबाद। पर्यावरण संरक्षण, भूमि सुधार एवं प्रदूषण से मुक्ति जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर कार्य कर रही संस्था पर्यावरण मित्र ने मंगलवार को अपना नौवां स्थापना दिवस मनाया। जैविक खेती को प्रोत्साहित करने का संकल्प देखते हुए दर्जनों किसानों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एसडीएम रवींद्र कुमार थे।

पर्यावरण मित्र की सदस्य डॉ. रजनी यादव ने अतिथियों का हरित कलश देकर स्वागत किया। संस्था की अध्यक्ष किरण जगावत का संदेश प्रस्तुत किया गया। इसमें कहा गया कि संस्कृति और प्रकृति का अनादर करने से मानव के समक्ष कठिनाइयां आ रही हैं। मनुष्य को अपने अंदर और बाहर दोनों जगह का वातावरण शुद्ध रखना होगा। संस्था के प्रबंधक शशिकांत ने विषय का प्रवर्तन करते हुए पर्यावरण मित्र संस्था की भूमिका को रेखांकित किया। जिला कृषि अधिकारी शुभांजना पांडे, उप कृषि निदेशक आरडी बागला, कृषि विशेषज्ञ पुष्पेंद्र शर्मा ने जैविक खाद और कीटनाशक निर्माण की विधियों की जानकारी दी। अधिकारियों ने जैविक खेती कर रहे 37 किसानों को सम्मानित किया।

Alexander the Great asked, “Sir, what's the difference between liking and loving ?”
Socrates answered, “When you like a flower, you just pluck it.
But, when you love a flower, you water it daily.”

Awareness in School Children Through Forest Visits

Implemented by Paryavaran Mitra in which the school and college students were given knowledge about nature & culture. The students from various educational institutions has visited with their teachers.

On 10th May, 2013, over 150 students and teachers from Young Scholar's Academy & Lord Krishna Public School, Shikohabad came to Hind Lamps campus and visited forest area under Paryavaran Mitra's van darshan programme. During this tour, they were imparted knowledge about plants, trees, waste management, waste segregation, water conservation, bio-manure, ie, NADEP composting, vermin-composting method of plantation, organic farming etc. through demonstration and observation.

Inquisitive queries of students were satisfactorily answered. Paryavaran Mitra is engaged in moulding the minds and develop in them love for nature from the very childhood.

Teachers from Lord Krishna School Anju Singh and Shweta Verma said that in a long time, they have had an entirely new experience.

वन दर्शन

वन दर्शन कार्यक्रम के तहत पर्यावरण मित्र ने स्कूली बच्चों को हिन्द लैंप्स में स्थित लघु वनक्षेत्र का भ्रमण कराया और उन्हें प्रकृति और संस्कृति के बारे में विस्तार से जानकारी दी। पूर्व की भांति ही इस शैक्षिक सत्र में भी पूरे उत्साह के साथ विभिन्न स्कूलों के बच्चों एवं उनके अध्यापक और अध्यापिकाओं ने भ्रमण किया। 10 मई को लार्ड कृष्णा पब्लिक स्कूल और यंग स्कॉलर्स अकेडमी के करीब डेढ़ सौ बच्चे एक साथ वनदर्शन के लिए पहुंचे।

इस दौरान बच्चों ने कई तरह के सवाल और जिज्ञासाएं भी रखीं, जिनका कार्यकर्ताओं ने समाधान किया। केंचुआ और नाडेप विधि से जैविक खाद बनाने के तरीके, जैविक उत्पादों से होने वाले लाभ के बारे में बच्चों को बताया गया। सब्जियां उगाने की विधि, बागवानी लगाने के तरीके से लेकर पेड़, पौधे, धरती आदि प्राकृतिक स्वरूप की जानकारी बच्चों को दी गई। उन्होंने कहा कि बचपन से ही प्रकृति के प्रति प्रेम का संस्कार बच्चों को देने का प्रयास पर्यावरण मित्र द्वारा किया जा रहा है।

बच्चों के साथ आईं लार्ड कृष्णा पब्लिक स्कूल की

School children of Shikohabad participating in a forest visit (Van Darshan).

वन दर्शन में भाग लेते शिकोहाबाद के स्कूली बच्चे।

School children moving in the forest.

वन दर्शन में वनों का अवलोकन करते स्कूली बच्चे।

School children participating in a drawing competition.

चित्रकला प्रतियोगिता में भाग लेते स्कूली बच्चे।

प्रकृति की गोद में पहुंचकर चहकने लगे बच्चे

प्रकृति की गोद में पहुंच कर चहकने लगे बच्चे

Teachers from Young Scholars School Shubham Kaul and Aruna Sharma found the van darshan programme absolutely unique.

Some students from Young Scholars Academy - Mihul, Saurabh Pratap, and Shantanu averred that they felt good and refreshing. The expressed their wish to repeat this experience over and over again.

अध्यापिकाओं टीचर अंजू सिंह और श्वेता वर्मा ने कहा कि उन्हें लंबे समय बाद एक नया अनुभव मिला है। यंग स्कॉलर्स की शुभम कौल और अरूणा शर्मा ने कहा कि पर्यावरण मित्र का वनदर्शन कार्यक्रम अभूतपूर्व है। मिहुल, सौरभ प्रताप और शांतनु आदि बच्चों ने कहा कि यहां आकर अच्छा लगा, कई जानकारियां मिलीं, और हम बार बार यहां आना चाहते हैं।

Comments

In this premise, we have got knowledge about environment. In our environment how we can make it safe & clean for ourself. We can make pure & fertile land on which we can grow pure vegetables & grains etc. Here we have seen different types of plants & many more information about environment. This area is very well maintained & planted.

- Arti Yadav, Student

"It was a wonderful experience. All of us enjoyed the visit thoroughly. The knowledge and information we got from here will surely benefit us."

- Dr. Shamama Mirza,
Lecturer, B.D.M.P.G. College, Shikohabad

टिप्पणियाँ

हिन्द परिसर में आकर मैंने विभिन्न प्रकार की प्रजातियों के पौधों का अवलोकन किया। ऐसे पौधे देखे जिनको मैंने कभी नहीं देखा। वैसे मैं फूल वाले पौधे लगाने का शौकीन हूँ। घर पर भी मैंने 20 प्रकार के फूल वाले पौधे लगाए हैं और अन्य नई प्रकार के प्रजातियों को लगाऊंगा।

– रामवीर सिंह, अध्यापक

हिन्द परिसर में आकर मैंने विभिन्न प्रकार के पेड़, पौधे, प्रजातियो को देखा। यहा का पर्यावरण– वातावरण मुझे बहुत अच्छा लगा।

– भारतेन्दु, छात्र

इस परिसर में बहुत नियोजित तरीके से वृक्षरोपण किया गया है एवं उसका रखरखाव भी अच्छा है।

– पवन मिश्रा, छात्र

हिन्द परिसर में आकर हमने अच्छी जानकारी प्राप्त की जिनमें से एक पेड़ पौधों के बारे में थी। हमारे स्कूल के बच्चो ने अनेक प्रकार के वन्य पौधों और खाद्य के बारे में जानकारी प्राप्त की जो भविष्य में उनके काम आएगी।

– अरूणा, अध्यापिका

World No Tobacco Day

Paryavaran Mitra organised a variety of interesting events for World No Tobacco Day at Shikohabad. Exhibitions were held for three days on issues related to consumption of tobacco. On display were 125 posters on anti-tobacco issue drawn by 400 students from surrounding schools.

States of a tobacco consuming person, from a healthy and happy one to one that is ailing and suffering from disease, at various stages of his life were shown in cut outs.

Street plays were also staged enacting the story of a king who used tobacco and suffered from illness as a result. While he grew weaker by the day, his own soldiers revolted against him. The queen and his children abandoned him and he was left in a sorry state.

On 31st May, a seminar was organised where poet

विश्व तंबाकू निषेध दिवस

पर्यावरण मित्र ने इस बार विश्व तंबाकू निषेध दिवस के उपलक्ष्य में विभिन्न प्रकार के आयोजन कर इसे रोचक और प्रभावी ढंग से मनाया। किसी भवन या सभागार की बजाय सड़क पर खुलेआम तीन दिन प्रदर्शनी लगी और नुक्कड़ नाटक, आदि कार्यक्रम हुए। शुभारंभ शिकोहाबाद के उपजिलाधिकारी श्री रवींद्र सिंह ने किया।

400 स्कूली बच्चों द्वारा तंबाकू के विरोध में बनाए गए चित्रों में से चुनिंदा 125 कृतियां प्रदर्शनी में प्रदर्शित की गईं। करीब 120 फीट की लंबाई में प्रदर्शनी लगाई गई। इसमें बिजूका यानि कटआउट्स को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया गया। तीन शीर्षक, 1. एक हंसमुंख इंसान 2. शुरू किया धूम्रपान 3. और आफत में आई जान, के माध्यम से बिजूका की तीन अलग–अलग अवस्थाएं दिखाई गईं। यह एक ऐसे आदमी की कहानी थी जो हंसमुंख था और स्वस्थ भी, लेकिन धूम्रपान की आदत ने उसे

S.D.M. Ravindra Singh inaugurating the exhibition.

प्रर्दशनी का उदघाटन करते हुए एस.डी.एम रवीन्द्र सिंह।

Visitors viewing the exhibits.

प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए लोग।

Children performing a street play Nukkad Natak) in the exhibition.

प्रदर्शनी में नुक्कड नाटक प्रस्तुत करते हुए बच्चे।

Intelligentsia expressing their views at a seminar on conclusion of the exhibition

प्रदर्शनी के समापन पर संगोश्ठी में विचार व्यक्त करते हुए बुद्धिजीवी।

Dr. Chandraveer Jain motivated the youth against use of bidi and tobacco. Industrialist & social worker Rajeev Agrawal explained that lack of willpower was mainly responsible for addiction. Yoga teacher Pankaj Singh from Agra explained how through yoga one could get rid of this addiction.

Smt. Kiran Bajaj, President, Paryavaran Mitra attributed bad company as one of the main causes. She appreciated the awareness the present generation has about this social issue as was well reflected in the posters they created.

Motivated by the Paryavaran Mitra initiative, many visitors took an oath to kick off the tobacco habit.

तंबाकू से नाता तोड़ो जीवन से नाता जोड़ो

नशे पर कटाक्ष के साथ प्रदर्शनी का समापन

प्रदर्शनी

तख्त के साथ सल्तनत छीन लेती है तंबाकू

बच्चों ने बताए तंबाकू के खतरे

पर्यावरण मित्र ने लगाई चित्र प्रदर्शनी, भरवाए शपथ पत्र

तंबाकू निषेध दिवस के उपलक्ष्य में लगाई प्रदर्शनी

शिकोहाबाद। विश्व तंबाकू निषेध दिवस के उपलक्ष्य में पर्यावरण मित्र द्वारा आयोजित नशा विरोध प्रदर्शनी का एक भव्य कार्यक्रम के साथ समापन हुआ।

प्रदर्शनी में आगरा से आए योग शिक्षक पंकज सिंह ने कहा कि मन को संकल्प शक्ति को जाग्रत करने के लिए योग से अच्छा और सरल कोई उपाय नहीं है। समाजसेवी राजीव अग्रवाल ने कहा कि लोगों की कमजोर संकल्प शक्ति नशे की लत के लिए जिम्मेदार है। इसके लिए मन को कड़ा करना होगा। पर्यावरण मित्र की अध्यक्ष किरण बजाज के संदेश को देते हुए मुकेश मणिकांचन ने कुसंगति को त्यागने का आव्हान किया। हिंद सैप्स के प्रबंधक एसके शर्मा और पोके शर्मा ने लोगों का इस संघर्ष में सहयोग देने का आव्हान किया। नशे के विरुद्ध नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत करने वाले बच्चों को पुरस्कृत किया गया।

समय से पूर्व बुढ़ापे में धकेल दिया।

इसके अलावा तीन सच्ची कहानियों ने भी दर्शकों का ध्यान खींचा। इसी क्षेत्र के तीन लोगों की कहानियों को लिखकर बड़े बोर्ड पर चस्पा किया गया जो तंबाकू के जहर से अपनी हंसती खेलती जिंदगी को अलविदा कह गए। प्रदर्शनी में बच्चों ने नुक्कड़ नाटक को पेश कर वाहवाही लूटी। एक राजा की कहानी के माध्यम से नाटक में बताया गया कि बीड़ी, तंबाकू आदि बुरी आदत वाला राजा एक दिन गंभीर रूप से बीमार हो गया। ऐसे में उसकी कमजोरी का लाभ उठा कर सेनापति ने विद्रोह कर राजा को बंदी बना लिया। रानी और उसके बच्चों को देशनिकाला दे दिया। भटकता हुआ यह परिवार भीख मांगने को विवश हो गया। यहां आने वालों को तंबाकू और धूम्रपान छोड़ने के लिए प्रेरित किया। उनके हाथ में यमुनाजल और तुलसीदल देकर संकल्प कराया गया और शपथ पत्र भी भरवाए गए। प्रदर्शनी से प्रभावित कुछ लोगों ने यहीं पर तंबाकू छोड़ने का ऐलान कर बीड़ी का बंडल और तंबाकू की पुड़िया फैंक दी।

31 मई को विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर आयोजन का समापन करते हुए संगोष्ठी की गई। जिसमें साहित्यकार डॉ. चंद्रवीर जैन ने बीड़ी–तंबाकू की आदत से होने वाली हानि के प्रति सचेत किया। उद्योगपति एवं समाजसेवी राजीव अग्रवाल ने कमजोर संकल्पशक्ति को नशे की आदत के लिए जिम्मेदार बताया। आगरा के योग शिक्षक पंकज सिंह ने बुरी आदत को छोड़ने के लिए कहा कि मन की संकल्प शक्ति को जाग्रत करना होगा, जिसके लिए योग से अच्छा और कोई उपाय नहीं है। पर्यावरण मित्र की अध्यक्ष श्रीमती किरण बजाज के संदेश में बताया गया कि नशे का मुख्य कारण कुसंगति है। कुसंगति से ही नशा की लत परवान चड़ती है। प्रदर्शनी के लिए बच्चों द्वारा बनाए गए चित्रों को देखने से पता चला कि आज नौनिहाल पीढ़ी समाजिक मुद्दों पर जागरूक है। किसी बच्चे ने धुंएं को विशाल ड्रेगन के रूप में छोटे से जीव के रूप वाली पृथ्वी को डंसते हुए दिखाया तो किसी ने एक ग्राफ के जरिए जीवन और मौत की रफ्तार को दिखाया।

पहल

विश्व तंबाकू दिवस के उपलक्ष्य में हुआ आयोजन

तंबाकू के खतरों से बच्चों ने किया आगाह

Tree Plantation 2013

Paryavaran Mitra, under their tree plantation campaign from July to September, undertook large scale tree plantation activities. 550 plants in different parts of Hind Premises, 102 in Brahm Kund at Vrindavan, 600 plants were planted on the farmers' fields under 'One Beegha Project' and as also those of others.

Paryavaran Mitra has established a forest nursery, wherein saplings for big trees like Sheesham, Neem, Mango, Karanj, Jackfruit, Bakayan, Kachnar, Khair, Lemon, Karonda etc. have been nurtured. This nursery is the source of plants for tree plantation by farmers and public places.

1200 plants have already been planted since 2013. These plants are regularly tended. Tree plantation by the organisation is undertaken only where there is a guarantee of safety and watering of the plants.

वृक्षारोपण 2013

इस वर्ष पर्यावरण मित्र ने अपने वृक्षारोपण अभियान के तहत जुलाई से लेकर सितम्बर तक वृहद वृक्षारोपण की गतिविधियां संचालित कीं जिसके अन्तर्गत हिन्द परिसर के विभिन्न भागों में 550 पौधे, वृन्दावन के ब्रह्म कुण्ड पर 102 पौधे, साथ ही 'एक बीघा परियोजना' के अन्तर्गत किसानों एवं अन्य ग्रामीणों के यहाँ 600 पौधे लगाए गए।

पर्यावरण मित्र ने वन नर्सरी स्थापित की है जिसमें बड़े वृक्ष, जैसे शीशम, नीम, आम, कन्ज, कटहल, पुत्रंजीवा, बकायन, कचनार, खैर, नीबू, करौंदा इत्यादि की पौध तैयार की गयी है। इस पौधशाला से ही कृषकों एवं सार्वजनिक स्थानों पर वृक्षारोपण किया जाता है।

इस वर्ष अब तक कुल 1200 पौधों का रोपण किया जा चुका है। इन पौधों की निरंतर देखभाल की जाती है। संस्था द्वारा वहीं वृक्षारोपण किया जाता है जहाँ सुरक्षा एवं पौधों को पानी देने की गारंटी दी जाती है।

Stanchart Mumbai Marathon 2014 Running for a cause

The Standard Chartered Mumbai Marathon is an annual international marathon held in Mumbai, India in January every year. It is the largest marathon in Asia.

Paryavaran Mitra, in association with Bajaj Electricals participated in the event.

CMD Shekhar Bajaj, PM President Kiran Bajaj, JMD Anant Bajaj and wife, Pooja Bajaj were part of the Dream Team along with the Mumbai office employees.They carried placards with messages about Saving Trees - the Himalayas – Water – Environment.

स्टेनचार्ट मुंबई मैराथन २०१४ एक ध्येय के लिए दौड़

स्टैंडर्ड चार्टर्ड मुंबई मैराथन एक वार्षिक अंतरराष्ट्रीय मैराथन है जिसका आयोजन मुंबई, भारत में हर साल जनवरी में किया जाता है. यह एशिया की सबसे बड़ी मैराथन है।

बजाज इलेक्ट्रिकल्स के सहयोग से पर्यावरण मित्र ने इस कार्यक्रम में भाग लिया। सीएमडी शेखर बजाज, पर्यावरण मित्र की अध्यक्ष किरण बजाज, जेएमडी अनंत बजाज एवं पत्नी पूजा बजाज मुंबई कार्यालय के कर्मचारियों के साथ 'ड्रीम टीम' का हिस्सा थे। उनके हाथों में पेड़, हिमालय, जल, पर्यावरण आदि की सुरक्षा के बारे में संदेश लिखी हुई तख्तियाँ थी।

State Level Workshop on Plantation - Lucknow

At the recommendation of the District Forest Dept. of Firozabad, Paryavaran Mitra participated in a state level workshop held at Indira Gandhi Pratisthan, Lucknow on 20th June 2013. The objective of the workshop was to bring about a change in people's thinking towards tree plantation.

The workshop was inaugurated by Mr. V.N. Garg, Principal Secretary, Forest & Environment, Govt. of U.P. He informed that the Forest Dept. had planted a large number of saplings numbering over 4 crore 40 lakh this year. This was mainly in U.P. in collaboration with other govt. depts. The total area that will be covered in the coming year is 67600 hectares. In Uttar Pradesh only 9.08 percent of forest of total land has been covered. This should be 33 percent. But due to development projects, over one lakh trees were cut down over the last five years. This gap has also to be covered.

Shri Garg advised to undertake plantation according to soil & environmental condition and look at forest management with a new perspective.

He emphasized the need for positive change and simplification in government rules and regulations. He said we should look at plantation as a means to generate employment, rather than looking at it from religious sentiments. We should make people aware of the economic benefits of growing trees. Various government departments and reputed NGOs participated in this workshop.

Paryavaran Mitra made a presentation of their activities regarding tree plantation, green belt development, van darshan, nursery, organic farming, farmers' training and more. Paryavaran Mitra also offered their full cooperation to the administration's efforts in addressing environmental issues.

Copies of Paryavaran Mitra Newsletter & Common Minimum Programme brochures were handed over to senior government officials and others. Paryavaran Mitra also expressed its preparedness to be associated with the government's plan to develop the joint forest on the Gwalior-Etawah road in Lion Safari.

राज्यस्तरीय वृक्षारोपण कार्यशाला में पर्यावरण मित्र की सहभागिता

वन विभाग की जनपदीय इकाईकी अनुशंसा पर पर्यावरण मित्र ने विभाग की प्रांतीय कार्यशाला में भाग लिया। कार्यशाला का उद्देश्य वृक्षारोपण के प्रति लोगों की सोच में बदलाव लाना था।

कार्यशाला में बताया गया कि यूपी में वन और अन्य विभागों के साथ मिलकर सरकार इस वर्ष कुल 4 करोड़, 39 लाख, 40 हजार पौधे लगाएगी। जिससे प्रदेश की 67600 हैक्टर भूमि आने वाले वर्षों में पेड़ों से आच्छादित होगी। यूपी मे भूमि का वन प्रतिशत सिर्फ 9.08 प्रतिशत है। मानक के अनुरूप इसका प्रतिशत 33 होना चाहिए। 1.88 लाख पेड़ पिछले 5 साल में काट दिए गए। उनकी पूर्ति करनी है।

वन विभाग के प्रमुख सचिव श्री वी. एन. गर्ग ने कार्यशाला में कहा कि मिट्टी और माहौल के अनुरूप ही पौधे लगाने चाहिएं। वन प्रबंधन को नई दृष्टि से देखना चाहिए। उन्होंने सरकारी नियमों में सकारात्मक बदलाव या सरलीकरण करने की आवश्यकता पर बल दिया और कहा, कि पेड़ लगाने को धार्मिक धारणा के स्थान पर रोजगार परक दृष्टि से देखना होगा। पेड़ों के आर्थिक लाभ को बताना होगा। कानूनी उपाय भी करने होंगे जिससे किसान या किसी अन्य को पेड़ काटकर उसकी लकड़ी बेचने में अनावश्यक कानूनी अड़चनों का सामना न करना पड़े। कार्यशाला में सरकार के अनेक विभाग और स्वयंसेवी संगठनों ने सहभागिता की।

पर्यावरण मित्र ने क्या किया: पर्यावरण मित्र के प्रतिनिधियों ने 5 मिनट की पॉवरपाइंट प्रस्तुति दी। जिसमें वृक्षारोपण, हरितपट्टिका, वनदर्शन, नर्सरी आदि उपलब्धियों एवं गतिविधियों को बताया। पर्यावरण संबंधी सरकार के कार्यों में सहयोग देने का प्रस्ताव भी रखा। मुख्य अतिथि श्री वी.एन. गर्ग मुख्य सचिव उत्तर प्रदेश सरकार एवं शीर्ष अधिकारीगण डॉ. इकबाल सिंह, श्री रूपक डे, डॉ. अश्वनी कुमार एवं ओमेंद्र शर्मा आदि को न्यूज लेटर एवं सीएमपी दिया गया। सीएमपी की प्रतियां अन्य लोगों को भी वितरित कीं। ग्वालियर–इटावा मार्गपर चंबल और यमुना के मिलेजुले जंगलात (वन) को उत्तर प्रदेश सरकार लॉयन सफारी के रूप में विकसित कर रही है। पर्यावरण मित्र ने भी इसमें सहभागिता की योजना बनाई।

World Water Day

Yamuna is a mother to all, a river of purity. This year, the World Water Day (March 22, 2013) saw a few NGOs coming together to clean the Yamuna river at Bateshwar. A morning-procession was organised to create water awareness. The participating organisations were Paryavaran Mitra, Peace Institute Charitable Trust - Delhi, Shri Bateshwar Nath Dham, Yamuna Jal Kalyan Samiti and Krishna Adarsh Vidyalaya.

Students from the school marched ahead with posters and slogans to spread awareness around water issues. They displayed messages to highlight the need for conservation of water. The march culminated on the banks of Yamuna River. Kiran Bajaj, President, Paryavaran Mitra administered a pledge to the participating students to conserve water and save the river Yamuna. She also recited her poem 'Paani ki Kahani' (The Story of Water). This was followed by presentation of 'Certificate of Contribution' to the initiative of Green Bateshwar to students - Satyendra, Nidhi and Kanchan.

World Water Day also witnessed students presenting poems and stories about conservation of water. The event was attended by Kiran Bajaj (Paryvaran Mitra), Dr. Sitaram Tagore, Radheshyam, Ramraj, Sunil, Ramnaresh (Peace Institute Charitable Trust, Delhi), and Subodh, Sunil (Teachers of Krishna Adarsh School).

विश्व जल दिवस

विश्व जल दिवस के उपलक्ष्य में बटेश्वर को स्वच्छ व सुन्दर बनाने की पहल हेतु पर्यावरण मित्र शिकोहाबाद, पीस इंस्टीट्यूट चेरिटबल ट्रस्ट दिल्ली, श्री बटेश्वर नाथ धाम, यमुना जलकल्याण समिति सियाच तथा कृष्णा आदर्श विद्यालय के द्वारा प्रातःकालीन जल चेतना प्रभातफेरी का आयोजन किया गया जिसमें छात्र–छात्राओं ने नारों व पोस्टर के माध्यम से मन्दिर परिसर से लेकर बटेश्वर मुख्य बाजार होते हुए गांव का भ्रमण किया। प्रभातफेरी के द्वारा 400 बच्चों ने जल संरक्षण की चेतना पैदा की। बटेश्वर में यमुना तट पर यमुनाजल हाथ में लेकर प्रत्येक विद्यार्थी ने आजीवन किसी भी नदी को प्रदूषित न करने की शपथ ली।

रैली के बाद श्रीमती किरण बजाज, अध्यक्ष पर्यावरण मित्र ने बच्चों को यमुना नदी के घाट पर जल संरक्षण व यमुना बचाने की शपथ दिलाई। श्रीमती किरण बजाज ने जल दिवस पर अपनी स्वरचित कविता 'पानी की कहानी' का वाचन किया। तत्पश्चात बटेश्वर हरित मेला पहल कार्यक्रम में योगदान हेतु विद्यार्थी सत्येन्द्र, कु. निधि एवं कु. कंचन को प्रमाण पत्र दिए।

इस अवसर पर बच्चों ने जल संरक्षण की कविताएं भी सुनाईं। इस अवसर पर श्रीमती किरण बजाज (पर्यावरण मित्र), डॉ. सीताराम टेगोर, राधेश्याम, रामराज, सुनील, रामनरेश (पीस इंस्टीट्यूट चेरिटेबल ट्रस्ट, दिल्ली) तथा सुबोध, सुनील (कृष्ण आदर्श स्कूल के शिक्षकगण) उपस्थित थे।

छात्र-छात्राओं ने निकाली प्रभात रैली

बटेश्वर में शुक्रवार को स्कूली बच्चों ने जल संरक्षण के लिए रैली निकाली।

जल संरक्षण के लिए निकाली रैली

बाह। श्री बटेश्वर धाम यमुना जन कल्याण समिति द्वारा यमुना है जीवन की धारा जल संरक्षण करना कर्तव्य है हमारा कार्यक्रम आयोजित किया गया। पर्यावरण मित्र शिकोहाबाद द्वारा जनचेतना प्रभात फेरी का आयोजन किया गया। सभी छात्र-छात्राओं ने नारे व पोस्टर के माध्यम से मंदिर परिसर से बटेश्वर गांव का भ्रमण किया। बच्चों ने रैली के माध्यम से जल संरक्षण की भावना का प्रदर्शन किया। नारे लगाए कि जब न होगा पानी क्या होगी कहानी, न खेत न खलियान न गंगा महारानी, जहां बूंद-बूंद के लिये चल रही खींचातानी, आजादी के नाम पर खूब चलरही है मनमानी, सरेआम मर रहा है हमारी आँखों का पानी। जल संरक्षण की महत्वता पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर श्रीमती किरण बजाज, पर्यावरण मित्र शशिकान्त - पाण्डेय, डॉ. सीता राम टैगोर ,राधेश्याम, रामराज, रामनरेश, सुबोध, सुनील आदि शक्षक गण व छात्र उपस्थित रहे।

Water Recharging
Seminar/workshop on 'Save Ground water'

Paryavaran Mitra organised a workshop on "Save Water for Prosperous Future" on 22th July, 2013, in Sanskriti Bhawan, Hind Lamps Parisar, Shikohabad. Sandhya Tiwary, District Magistrate, Firozabad Programme presided over the event.

Smt. Tiwary said that the administration was very strictly implementing the rules and instructions for the conservation of sources of water. If there is encroachment on any of the water ponds or pools, appropriate actions will be taken. Moreover, wherever there is misuse of water, we will identify such places and stop the misuse. Apart from water for drinking and kitchen use, a huge quantity of water is wasted in bathing, cleaning, and modern toilets. We have to find an alternative.

Smt. Kiran Bajaj, President, Paryavaran Mitra, in her message, appealed to identify concrete ways for water conservation. She said that if people shirk their social responsibility of water conservation, the government administration should adopt stringent measures. Administration should ensure that water bodies are not encroached upon, nor could these be indiscriminately exploited through booster pumps etc. The rules and regulations in this regard should be strictly adhered to.

Smt. Bajaj offered Paryavaran Mitra's cooperation to the administration at every step with regard to water conservation.

S.K. Agrawal, Executive Engineer, Jal Nigam, Firozabad presented technical information about filtration and conservation of surface water. He emphasised the need to implement this in various place.

Dr. Rajni Yadav suggested to connect the issue of water conservation with faith.

Arvind Tiwary talked about adopting the Rajasthan model of water conservation.

Manzar-ul-wasey referred to the message in Islamic scriptures

'खुशहाल भविष्य के लिए पानी बचाएं' भूजल सप्ताह के अन्तर्गत संगोष्ठी का आयोजन

पर्यावरण मित्र संस्था ने जिलाधिकारी फिरोजाबाद– श्रीमती संध्या तिवारी की अध्यक्षता में भूजल सप्ताह के अंतर्गत 22 जुलाई 2013 को 'खुशहाल भविष्य के लिए पानी बचाएं' विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया। जिसमें जिलाधिकारी ने कहा कि तालाब आदि जल स्रोतों के संरक्षण के लिए शासन के निर्देशों के अनुरूप पूरी कड़ाई से नियमों का अनुपालन कराया जा रहा है, परंतु फिर भी कहीं तालाब पर अतिक्रमण है तो समुचित कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि जहां जहां जल का दुरूपयोग हो रहा है, उन स्थानों को चिन्हित करके जल की बरबादी रोकी जाएगी। घरों में पीने और रसोई के कार्य के अलावा पानी का एक बड़ा हिस्सा स्नान, सफाई और आधुनिक शौचालयों में बर्बाद होता है, जिसका विकल्प तलाशना चाहिए।

पर्यावरण मित्र की अध्यक्ष श्रीमती किरण बजाज के संदेश में जल संचयन के लिए ठोस उपाय करने की अपील की गई। उनके संदेश में कहा गया कि जल संरक्षण के मुद्दे पर यदि लोग अपनी सामाजिक जिम्मेदारी से बचने का प्रयास करते हैं तो शासन–प्रशासन को कड़ा रुख अपनाना चाहिए। शासन –प्रशासन के सभी लोगों को देखना चाहिए कि तालाब आदि जलस्रोतों पर कोई कब्जा न कर सके, बूस्टर पंप लगाकर जल का बेतहाशा दोहन न करें। इसके लिए कानून का पूरी कड़ाई से परिपालन सुनिश्चित कराना चाहिए। सरकार के साथ कदम से कदम मिला कर चलने के लिए और सहयोग के लिए पर्यावरण मित्र तत्पर है। जल निगम के कार्यकारी अभियंता एस. के. अग्रवाल ने सतही जल (सर्फेस वाटर) का फिल्टरेशन और संचयन के बारे में तकनीकी जानकारी दी। उन्होंने विभिन्न स्थानों पर इसके लागू करने पर जोर दिया। डॉ रजनी यादव ने जल संचयन के मुद्दे को आस्था से जोड़कर अपनाने की अपील की। अरविंद तिवारी ने राजस्थान के जल संचयन मॉडल की चर्चा करते हुए उससे प्रेरणा ग्रहण करने की बात कही। मंजर उल वासै ने

'वाटर रिचार्जिंग पर ध्यान देने की जरूरत'

भूजल सप्ताह पर बताए जल संचयन के उपाय

अमर उजाला ब्यूरो

शिकोहाबाद। हर जगह पानी को बर्बादी, नतीजा धरती को खाली होती कोख। जल के घरेलू उपयोग की तस्वीर भी ऐसी है कि पानी बेलगाम बहता रहता है। भूजल सप्ताह के अंतर्गत पर्यावरण मित्र संस्था द्वारा आयोजित संगोष्ठी को संबोधित करते हुए जिलाधिकारी संध्या तिवारी ने कहा कि आने वाले समय में पानी का संकट न हो ऐसे उपाय होने चाहिए।

जिलाधिकारी ने कहा कि पीने और रसोई के कार्य के अलावा एक बड़ा हिस्सा नहाने और सफाई में जाता है। जनपद के हालात को देखते हुए वाटर रिचार्जिंग पर पूरा ध्यान देने की आवश्यकता है। इसलिए उद्योगों के साथ घरेलू उपभोक्ताओं को भी जल संचयन की जिम्मेदारी लेनी पड़ेगी।

पर्यावरण मित्र की अध्यक्ष किरण बजाज ने कहा कि लोग तालाब आदि जल स्रोतों पर कब्जे न करें, बूस्टर पंप लगाकर जल का दोहन न करें। जल निगम के कार्यकारी अभियंता एसके अग्रवाल ने सर्फेस वाटर का फिल्टरेशन और संचयन के बारे में जानकारी दी। डा. रजनी यादव ने जल संचयन को अपनाने की अपील की। अरविंद तिवारी ने राजस्थान के जल संचयन मॉडल की चर्चा कर उससे प्रेरणा ग्रहण करने की बात कही। मंजर उल वासै ने इस्लाम के अनुयायियों से पानी बचाने और उसके भंडारों को सुरक्षित करने को कहा। हिंद लैम्प्स के वरिष्ठ महाप्रबंधक बीबी मुखोपाध्याय ने अतिथियों का स्वागत किया। संचालन मुकेश मणिकांचन ने किया। शशिकांत पांडे ने पावर प्वाइंट प्रस्तुतिकरण द्वारा पर्यावरण मित्र की उपलब्धियां बताईं।

and said that those who follow the Islam should conserve and save water bodies.

B.B. Mukhopadhyay, Sr. G.M, Hind Lamps welcomed the guests.

The programme was conducted by Mukesh Manikanchan. Achievement of Paryavaran Mitra has presented through a power point presentation.

इस्लामिक ग्रंथों में बताए गए संदेश का संदर्भ दिया और कहा कि इस्लाम मानने वालों को अपने मजहब की बात मानते हुए पानी को बचाना चाहिए और उसके भंडारों को सुरक्षित रखने का प्रयास करना चाहिए। हिन्द लैंप्स के वरिष्ठ महाप्रबंधक बी बी मुखोपाध्याय ने अतिथियों का स्वागत किया। संचालन मुकेश मणिकांचन ने किया। पॉवर पाइंट प्रस्तुतिकरण के द्वारा पर्यावरण मित्र की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला।

Clean and Green Fair - Bateshwar

Under the 'Clean and Green Bateshwar' initiative, Paryavaran Mitra and Nadi Mitra Mandali of Peace Foundation - Delhi jointly organised a three-day Green Mela with the cooperation of District Panchayat. Wide awakening was created among people at large for keeping the whole Bateshwar and the Yamuna river free of pollution. Representatives of the participating organisations distributed brochures and made available to the shopkeepers baskets and dust bins etc. They were also encouraged not to throw rubbish in the surroundings and in the Yamuna river.

स्वच्छ बटेश्वर हरित बटेश्वर — हरित मेला

स्वच्छ बटेश्वर हरित बटेश्वर अभियान के तहत पर्यावरण मित्र एवं पीस फाउन्डेशन नई दिल्ली, नदी मित्र मण्डली के संयुक्त तत्वावधान में जिला पंचायत के सहयोग से तीन दिवसीय हरित मेला का आयोजन किया गया। जिसमें संस्थाओं की ओर से सम्पूर्ण बटेश्वर एवं यमुना नदी को साफ रखने के लिए जागरूक किया गया। संस्थाओं के सहयोगियों ने दुकानदारों को पम्फलेट, डलिया, कचरा पात्र इत्यादि का वितरण किया तथा गन्दगी न करने एवं जमुना में मलमूत्र न फेंकने के लिए प्रेरित किया।

Comments टिप्पणियाँ

Dear Friends of Environment,

"Thank you for showing me the wonderful work that you are doing around your factory site in Shikohabad. This is an inspiring example of how a corporate organisation can promote environmental, social & economic sustainability. You are a model for other corporates in India and around the world. I will now become a member of Friends of Environment and follow your growing success."

Wish all best for the future.

- Robert Oates

Executive Director, Thames River Trust UK &
Chairman, Brent Catchment Partenership (West London)

"पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में पर्यावरण मित्र संस्था का कार्य अग्रणी, अनुकरणीय एवं प्रभावित करने वाला है।

मैं अन्य औद्योगिक प्रतिष्ठानों एवं संगठनों को ऐसे तकनीक को इसी उत्साह के साथ अपनाने का आहवान करता हूँ। "

— भीम
पीस इंस्टीटयूट चैरिटेबल ट्रस्ट

"मैं इस स्थान को हिन्द आश्रम कहना चाहूंगा। एक सही एवं वास्तविक व्यावसायिक सामाजिक उत्तरदायित्व का प्रदर्शन है जो गांधीवाद एवं बजाज परम्परा पर आधरित है। यह हमारे लिए सौभाग्य है कि हमारा सम्मान हुआ एवं परिसर एवं कार्यों को संस्थाकर्मियों द्वारा दिखाया गया।"

— मनोज मिश्र
पीस इंस्टीटयूट चैरिटेबल ट्रस्ट

"मैं इस स्थान, यहां के वृक्षारोपण, वातावरण, स्वच्छता एवं प्राकृतिक सौंदर्य को देखकर बहुत प्रभावित हूँ।

यहां हम लोगो का स्वागत बहुत अच्छे तरीके से किया गया। शशिकान्त ने बहुत अच्छे तरीके से समझाया एवं प्रस्तुतिकरण दिया। हमने ताजे सब्जियों एवं फलों का आनन्द लिया। सिलाई केन्द्र बहुत अच्छा है जहां बालिकाएं लाभान्वित हो रही हैं।"

— सुधा मोहन
पीस इंस्टीटयूट चैरिटेबल ट्रस्ट

Roof Top Water Harvesting

There is acute scarcity of water in Firozabad (U.P). Though the government is initiating steps, they are not sufficient. Rain water harvesting could be the answer to the problem. Rain water harvesting is a natural system which controls the groundwater level in effective manner and filled through rain water.

Paryavaran Mitra organised a sensitisation programme with local industrial units in collabration with District, Administration Firozabad under the Chair of District Magistrate, Sandhya Tiwary. She encouraged all industries to come forward and set up Rain Water Harvesting System in their factories.

At her instance, Paryavaran Mitra conducted a survey and provided technical guidance to the following glass factories in Firozabad:

- Meera Glass Works
- Durgesh Glass Works
- GT Glass Works
- Pooja Glass Works
- Jagdamba Glass Works
- Tehsil Compound Shikohabad.

The District Magistrate appreciated the efforts of Paryavaran Mitra in this direction.

वर्षा जल संचयन प्रकल्प

फीरोजाबाद जनपद में पानी की उपलब्धता निरंतर कम हो रही है। इसके लिए शासन से हो रहे उपाय कमतर सिद्ध हो रहे हैं। वर्षा जल संचयन प्रणाली एक ऐसा प्राकृतिक माध्यम है, जिसके माध्यम से हम गिरते भूजल स्तर को कामयाब और प्रभावी तरीके से नियंत्रित कर सकते हैं।

पर्यावरण मित्र ने प्रशासन के साथ सहभागिता के क्रम में जिलाधिकारी फीरोजाबाद श्रीमती संध्या तिवारी ने वर्षाजल संचयन के लिए औद्योगिक प्रतिष्ठानों को आगे आने के लिए प्रेरित किया। लेकिन प्रकल्प स्थापित करने के लिए तकनीकी सहायता की आवश्यकता पड़ी। श्रीमती तिवारी ने इस काम में पर्यावरण मित्र को सहयोग करने को कहा। संस्था ने उनके निर्देश पर आधा दर्जन स्थानों पर व्यापक सर्वे करने के बाद निम्नलिखित औद्योगिक आस्थानों/प्रतिष्ठानों को तकनीकी मार्गदर्शन प्रदान किया।

Office bearers of the organization submitting a Technical Advisory Report to the Collector, Firozabad, Sandhya Tiwary.

फीरोजाबाद में जिलाधिकारी संध्या तिवारी को तकनीकी परामर्श की रिपोर्ट सौंपते हुए संगठन के पदाधिकारी।

• मीरा ग्लास वर्क्स • दुर्गेश ग्लास वर्क्स • जीटी ग्लास वर्क्स • पूजा ग्लास वर्क्स • जगदंबा ग्लास वर्क्स • तहसील परिसर शिकोहाबाद।

पर्यावरण मित्र ने तकनीकी परामर्श की विस्तृत रिपोर्ट बना कर जिलाधिकारी के माध्यम से सुपुर्द कर दी। जिलाधिकारी ने इस कार्य को महत्वपूर्ण बताते हुए योगदान की प्रशंसा की।

सहायक श्रमायुक्त के साथ हुई बैठक में उद्यमियों दिया वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम स्थापित कराने का आश्वासन

रफ्ता-रफ्ता आगे बढ़ने लगी भूगर्भ जल स्तर बढ़ाने की मुहिम

फिरोजाबाद | हिन्दुस्तान संवाद

पहल

- वाटर रीचार्ज सिस्टम लगाने के लिए राजी हुए दर्जन भर उद्यमी
- जलसंचय संयंत्र लगाने वाली इकाइयों को टेक्नीकल सपोर्ट देगी हिन्द लैप्स की टीम

हिन्द लैप्स की टीम देगी तकनीकी सहयोग

वाटर री चार्ज सिस्टम लगाने को राजी हुईं ये इकाइयां

Bhoomi Poojan on World Earth Day - 2013

On 22th April 2013, the volunteers of Paryavaran Mitra offered pooja to land, farms, and trees. They got together and took oath to protect earth and its beauty. Paryavaran Mitra President, Kiran Bajaj planted a tree, and called upon the members to remain committed to the mother Earth.

विश्व पृथ्वी दिवस पर भूमि पूजन

22 अप्रेल 2013 को पर्यावरण मित्र के कार्यकर्ताओं ने पृथ्वी दिवस के मौके पर भूमि, खेत और पेड़ों का पूजन किया। सभी ने एक साथ मिल कर धरती और इसके सौंदर्य की रक्षा करने का संकल्प लिया। श्रीमती किरण बजाज ने पौधारोपण किया और कार्यकर्ताओं को धरती मां के प्रति निष्ठावान रहने का संदेश दिया।

पृथ्वी की रक्षा के लिए पेड़ पौधों का पूजन आवश्यक

आई जानें पृथ्वी दिवस...

पृथ्वी दिवस पर धरती और पेड़ों का किया पूजन

शिकोहाबाद | हिन्दुस्तान संवाद

हिन्द लैम्प के संरक्षित वनक्षेत्र में सोमवार को पर्यावरण मित्र ने समर्पित भाव के साथ पृथ्वी दिवस मनाया। इस मौके पर संगठन अध्यक्ष किरण बजाज पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं को धरती संरक्षण के प्रति जागरूक किया और इसकी रक्षा का संकल्प दिलाया। साथ ही धरती और पेड़-पौधों का पूजन और पौधारोपण किया गया।

पर्यावरण मित्र के कार्यकर्ता पृथ्वी दिवस के मौके पर सुबह-सुबह हिन्द परिसर में जुटते नजर आए। इन्होंने सबसे पहले कई स्थान पर भूमि पूजन किया। इसके बाद खेतों और पेड़ों का पूजन किया गया। सभी ने एक साथ मिल कर धरती की रक्षा करने का संकल्प लिया। इस मौके पर किरण बजाज ने पौधारोपण का शुभारंभ किया।

श्रीमती बजाज ने कार्यकर्ताओं को धरती मां के प्रति निष्ठावान रहने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि भारत के लोग पर्यावरण संरक्षण के मामले में सदियों पहले से जागरूक रहे हैं। यहां के गुरुओं ने पृथ्वी को मां कहा और इसको पूजा करने की नसीहत दी। आज की नई पीढ़ी धरती को पूजने का नहीं बल्कि रौंदने का काम कर रही है। उन्होंने कहा कि अगर ऐसा ही होता रहा तो एक दिन जल्दी ही धरती मां की छाती फट जाएगी। फिर वह न किसी को आश्रय दे सकेगी और न किसी को जन्म दे सकेगी। पृथ्वी पर बढ़ रहे प्रदूषण को रोकने के लिए पेड़ पौधों को अधिक संख्या में लगाना है। प्रदूषण के कारण ग्लोबल वार्मिंग के प्रभाव में आकर मौसम में अचानक से बहुत परिवर्तन आ गये हैं।

भूमि कांप रही है। इसके लिए मानव की बढ़ती हुई भूख है। मानव अपने स्वार्थ में अंधा होकर अंधाधुंध पेड़ पौधों की कटाई कर रहा है। इससे प्रकृति का संतुलन बिगड़ गया है। अगर हम अपने बच्चों को शुद्ध वातावरण देना है तो पृथ्वी के वातावरण के लिए पौधों की रक्षा करना जरूरी है।

अध्यक्ष ने कार्यकर्ताओं को पर्यावरण मित्र के माध्यम से किए जाने वाले विभिन्न कार्यों को पारदर्शिता और लगन के साथ पूर्ण करने के निर्देश दिए। पर्यावरण संरक्षण के लिए आगामी रणनीति पर गंभीरता से विचार विमर्श किया गया। मुकेश मणिकांचन, शशिकांत पांडे, सुनील पालसरा, अभिषेक श्रीवास्तव, पुष्पेंद्र शर्मा आदि उल्लेखनीय रूप से मौजूद रहे।

विश्व पृथ्वी दिवस

संरक्षण

- पर्यावरण मित्र ने लिया प्रकृति रक्षा का संकल्प
- किरण बजाज ने पौधारोपण कर जागरूक किया

"Here is your country. Cherish these natural wonders, cherish the natural resources, cherish the history and romance as a sacred heritage, for your children and your children's children. Do not let selfish men or greedy interests skin your country of its beauty, its riches or its romance."

- Theodore Roosevelt

World Forestry Day

On the occasion of World Forestry Day on 21st March, Paryavaran Mitra organized a workshop /seminar at Sanskriti Bhawan, Hind Lamps Parisar. The participating organizations included Peace Institute Charitable Trust - Delhi, Society of Conservation for Nature – Etawah (U.P.), Forest Dept., Kalpataru Social Organization, Shiva Paryavaran evam Krishi Sansthan - Shikohabad, National Cadet Corps, B, D.M, P.G. College, Adarsh Krishna Degree College, Shikohabad. All those present shared their views, concerns, apprehensions, and suggestions regarding environment protection.

Kiran Bajaj, President, Paryavaran Mitra highlighted that "Our forests, nature & culture- all three have come in danger zone. Forest is the origin of our culture. Taking out forest from the lives of Rama and Krishna would be like taking away the whole charm of their lives." She reiterated that all countries in the world should join in a united way towards saving our environment.

Parmanand Yadav, Divisional Forest Officer of Firozabad underlined the importance of forests and said, "Forests purify atmosphere and prevent soil erosion. We need to think as to how can we save our heritage. There are 1 crore 79 lakh 80 thousand species of which India is home to over 16 lakh identified species. In Firozabad district the forest land covers 2.35 percent which is 28th position in UP state. Forests act as nutrients to land. As such, forestry is as necessary as agriculture."

विश्व वानिकी दिवस

कार्यक्रम का विषयः ''प्रकृति संरक्षण के लिए कार्य कर रहे संगठनों के साथ सहयात्रा''

दिनांक एवं स्थानः संस्कृति भवन, 21 मार्च 2013, गुरूवार

उपस्थित संस्थाएंः पर्यावरण मित्र, सोसाइटी ऑफ कन्जरवेशन फॉर नेचर, ज्ञानदीप सी.सेके. पब्लिक स्कूल, निदेशक सर्वोदय संस्था, कपार्ट, पीस इंस्टीट्यूट, दिल्ली, कल्पतरू समाजसेवी संस्था, शिवा पर्यावरण कृषि संस्थान।

आयोजनः विश्व वानिकी दिवस के अवसर पर प्यावरण मित्र द्वारा विभिन्न संगठनों के साथ एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। एक मंच पर आए इन तमाम संगठनों ने अपनी–अपनी चिंताओं एवं सुझावों का आदान–प्रदान किया। पर्यावरण मित्र की अध्यक्षा श्रीमती किरण बजाज ने कहा कि वन, प्रकृति और संस्कृति तीनों ही खतरे में आ गये हैं। हमारी संस्कृति का उद्गम वन हैं। अगर कृष्ण और राम के जीवन से वन निकाल दिया जाए, तो उनके जीवन का सौंदर्य कम हो जाएगा। उन्होंने कहा कि आज पृथ्वी को सीमाओं में नहीं बांधा जा सकता है। केवल भारत ही नहीं पूरे विश्व को साथ मिलकर कार्य करना होगा।

परमानन्द यादव (डी.एफ.ओ) ने वनों का महत्व बताते हुए कहा कि न सिर्फ पेड़ वायुमण्डल को शुद्ध करते है अपितु वह मिट्टी के कटाव को भी रोकते हैं, हमें सोचना होगा कि हम अपनी धरोहर को कैसे सुरक्षित रख सकते हैं। उन्होंने बताया कि विश्व में एक करोड़ उन्यासी लाख अस्सी हजार प्रजातियां हैं। जिसमें सोलह लाख चालीस हजार की पहचान की जा चुकी है। भारत

पर्यावरण शुद्धता के लिए करें वनों की रक्षा: किरण

विश्व वानिकी दिवस पर पर्यावरण मित्र ने किया आगाह

वृक्ष की महिमा महान, एक वृक्ष दस पुत्र समान

Dr. Rajeev Chauhan from Society of Conservation for Nature, Etawah, shared his views on steps taken to save aquatic animals such as crocodiles, and asked for contribution of organizations.

Dr. Sitaram Tagore from Peace Foundation Charitable Trust, Delhi talked about the work stated for the cleaning of the Yamuna river in 2007 in 10 places other than Delhi. Dustbins are being placed at Yamuna ghats through Nadi Mitra Mandali to keep the surroundings clean. He also referred to the work in association with Paryavaran Mitra being done to keep Bateswar Temple free of polythene.

Sravan Kumar, Ex Reserach Officer, CAPART appealed all organizations to cooperate rather than confront with each other.

Rajni Yadav, Director, Gyandeep Senior Secondly Public School, Shikohabad informed that' Gyandeep is providing environmental knowledge to their students based on ideas provided by Paryavaran Mitra President, Kiran Bajaj. Her another organization SARVODAYA has started work for Gaushala & training centre for farmers.

Mr. J.N. Mishra from N.C.C pointed out that, "N.C.C is providing training to 1000-1200 students every in ways to protect environment."

Vandana Tewari, Principal, Lord Krishna Public School, Shikohabad, said she learnt a lot from Paryavaran Mitra and she is making children of her school plant saplings regularly.

Dr. V.K. Tripathi, Professor & N.C.C officer who is associated with the youth forum since past 20 years is providing knowledge to students regarding importance of time and Nature. He offered his commitment to the NGOs through N.C.C.

Dr. Mohan Lal Agrawal, Professor, Commerce said he will provide ideas to students to protect our environment.

Shri Rajesh Gupta, President, Kalptaru Social Organization enlightened that their main objective is service to humanity. In their work, they have created awareness amongst the pubic regarding different environmental issues such as water conservation, sound pollution, use of natural colour during Holi, amongst others.

Dr. Ram Khiladi Singh, Principal, Adarsh Krishna Degree college, Shikohabad offered his help in

में सोलह लाख प्रजातियाँ हैं। उन्होंने कहा कि फिरोजाबाद जिले में 2.35 प्रतिशत जंगल हैं। जो कि पूरे देश का 28–वां स्थान है। वनों से धरती की पौष्टिकता में वृद्धि होती है। इसलिए कृषि के साथ–साथ वानिकी आवश्यक है। सोसाइटी आफ कन्जरवेशन फार नेचर के डॉ. राजीव चौहान ने घड़ियाल और मगरमच्छ आदि जलीय जीवों को बचाने में किए योगदान की चर्चा की। संस्थाओं से मदद का आह्वान भी उन्होंने किया।

पीस फाउन्डेषन के सीता राम टैगोर ने बताया कि उनकी संस्था ने यमुना के लिए 2007 में दिल्ली को छोड़कर बाकी 10 जगह काम शुरू किया। एक नदी मित्र मण्डली बना कर यमुना के प्रमुख घाटों पर कूड़ादान रखवाने जैसे उपाय प्रयोग कर आसपास के वातावरण को स्वच्छ बनाने का प्रयास किया। बटेश्वर मन्दिर में पॉलीथिन रोकने के प्रयास में पर्यावरण मित्र की सहभागिता का उल्लेख भी उन्होंने किया।

श्री श्रवण कुमार ने स्वयंसेवी संस्थाओं से आपस में टकराने की बजाय सहयोग से कार्य करने की अपील की। ज्ञानदीप विद्यालय की रजनी यादव ने अपने विद्यालय में श्रीमती बजाज की विचारधारा के अनुरूप बच्चों को पर्यावरण का ज्ञान देने की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि उनकी संस्था 'सर्वोदय' गौशाला का निर्माण एवं किसानों के लिए प्रशिक्षण स्थल का निर्माण कर रही है।

जे.एन. मिश्रा ने पर्यावरण विषय पर प्रति वर्ष 1000 से 1200 बच्चों को प्रशिक्षित करने की जानकारी दी। वन्दना तिवारी ने कहा कि उन्होंने पर्यावरण मित्र से काफी कुछ सीखा है। वह अपने यहां पर छोटे–छोटे बच्चों से पेड़ लगवाती हैं। डॉ. वी.के. त्रिपाठी ने बताया कि वह 20 वर्षो से यूथ फार्म से जुड़े हैं। बच्चों को समय के महत्व के बारे में बताते हैं, बच्चों को प्रकृति के बारे में बताते हैं। अन्य संस्थाओं के लिए एन.सी. सी. कैडेट्स की पूरी सहायता उपलब्ध करते हैं। उन्होंने सभी संस्थाओं से कहा कि किसी एन.जी.ओ. को एन.सी.सी. कैडेट्स की मदद की आवश्यकता होगी तो वह पूर्ण सहयोग करेंगे।

डॉ. मोहन लाल अग्रवाल ने बताया कि वह छात्र–छात्राओं को वैचारिक रूप से पर्यावरण के बारे में ज्ञान देने का कार्य करेंगे। कल्पतरू के श्री राजेश गुप्ता ने बताया कि मानवीय सेवा हमारा मुख्य उद्देश्य है। हम कागज की थैली का प्रयोग करके पॉलीथिन का प्रयोग कम कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि जल संचय के लिय लोगों को जागृत किया, प्रशासन के साथ मिलकर ध्वनि प्रदूषण को रोकने के लिये ऑटो वालों को समझाया कि तेज आवाज का प्रयोग न करें। होली पर केवल प्राकृतिक रंगों का ही प्रयोग करें। डॉ. आर.के. सिंह (ए.के. कालेज) ने बताया कि वृक्षारोपण को प्रोत्साहित करने के लिए

encouraging students to plant saplings on a massive scale.

Dr. Kanta Srivastava, Principal, B.D.M. P.G. College, Shikohabad informed they had planted trees in college in spite of limited resources. The college has formed a committee of girl students to create awareness about environmental issues with local people.

On conclusion of the seminar, all participants were taken on an interesting and informative visit to the Paryavaran Mitra organic farm and facilities.

अपना सहयोग देंगे। डॉ. कान्ता श्रीवास्तव (बी.डी.एम.कालेज) ने बताया कि सीमित संसाधनों के बावजूद उन्होंने अपने कालेज में अधिक से अधिक पेड़ लगवाये हैं। उन्होंने अपने कालेज की छात्राओं की उनके निवास स्थान के आस पास समितियाँ बनायी, जहाँ वो मिलजुल कर पर्यावरण के लिए कार्य कर सकें और वहाँ के स्थानीय निवासियों को पर्यावरण के प्रति जागरूक कर सकें। कार्यशाला के पश्चात सहभागी लोगों ने पर्यावरण मित्र द्वारा किए गये जैविक कृषि, जैविक खाद एवं वनों का अवलोकन किया।

World Environment Day

Paryavaran Mitra organized an awareness programme in collaboration with Firozabad District Administration in District Headquarters.

Sandhya Tiwary, District Magistrate said, 'Apart from trees, air, water, earth, river and mountains, wild life is also a part of our environment. This our responsibility to save all the natural resources. She also administered oath to all those present to save the environment.

Kiran Bajaj, President, Paryavaran Mitra, in her message, said, "The issue of environmental protection is associated with culture (sanskriti). People abroad make

विश्व पर्यावरण दिवस

विश्व पर्यावरण दिवस पर स्वयंसेवी संस्था पर्यावरण मित्र ने जिला प्रशासन के साथ मिल कर जागरूकता के लिए फीरोजाबाद के जिला मुख्यालय पर कार्यक्रम का आयोजन किया। समारोह को संबोधित करते हुए जिलाधिकारी श्रीमती संध्या तिवारी ने कहा कि पेड़, हवा, धरती, नदी, और पर्वत के अलावा वन्य जीव भी पर्यावरण के अंग हैं। इन सभी की हिफाजत की जिम्मेदारी इंसान की है। डीएम ने सभी को पर्यावरण की रक्षा के लिए संकल्प भी कराया। भेजे गए संदेश में पर्यावरण मित्र की अध्यक्ष किरण बजाज ने कहा कि पर्यावरण सुरक्षा का मामला संस्कृति से

Collector, Sandhya Tiwary, waving off the flag for a rally on World Environment Day.

विश्व पर्यावरण दिवस पर जनपद मुख्यालय में पदयात्रा को झंडी दिखाकर रवाना करतीं हुए डी.एम. संध्या तिवारी।

great efforts to save their culture. In India, we are quite indifferent. In our culture, there is a tradition of worshipping Nature. The civil society, organisations and Administration should make collective efforts to save environment."

After the meeting, the District Magistrate flagged off padyatra march. Amidst the fanfare of bands and music, the marchers participated with full of enthusiasm and passed through Collectorate and the District Judicial Campus. Through chanting slogans and displaying banners, placards and posters, they drew wide attention of people at large towards environmental issues.

Members of various organization like Rotary Club, Tax Bar Association, Vaishya Ratna Kishan Chandra Agrawal Trust, Shiva Paryavaran evam Krishi Sansthan, along with Rajeev Agrawal, Srikrishan Verma, Rajeev Bable, Yogesh Gupta and a large number of government officials participated.

जुड़ा है। अन्य देशों में लोग संस्कृति को बचाने के लिए परिश्रम करते हैं। लेकिन भारत में घोर लापरवाही है। हमारी संस्कृति में प्रकृति की पूजा का स्वभाव है। संगठनों के लोगों और प्रशासन को पर्यावरण के लिए सामूहिक प्रयास करने चाहिंए।

संगोष्ठी के बाद जिलाधिकारी ने पदयात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। बैंड बाजों की धुन पर पूरे जोश में आए तमाम लोगों ने जनपद न्यायालय और कलेक्ट्रेट परिसर में पैदल मार्च किया। जागरूकता के नारे लगा कर, तख्तियां और बैनर प्रदर्शित कर सभी का ध्यान इस मुद्दे की ओर खींचने का प्रयास किया।

रोटरी क्लब, टैक्से बार एसोसियेशन, वैश्यरत्न किशन चंद्र अग्रवाल ट्रस्ट, शिवा पर्यावरण संस्थान समेत विभिन्न संगठनों के राजीव अग्रवाल, श्रीकृष्ण वर्मा, योगेश गुप्ता, सुभाष गुप्ता, अजीत लाला, सुधीर बबले, संजीव गर्ग तथा प्रमुख विभागों के अधिकारी, स्वयंसेवी आदि मुख्य रूप से शामिल रहे।

"Trees are poems that earth writes upon the sky. We fell them down and turn them into paper, that we may record our emptiness."

- Kahlil Gibran

Ginger (Adrak)

Ginger (Adrak) is a vegetable. It is very useful for throat problems. Ginger is an effective antiseptic for treatment of wounds. It's usefulness is enhanced in winter season. Having medicine-like properties, ginger should used as per the symptoms. Some of the uses and benefits of Ginger are:.

1. For Cough & Cold: Cut small pieces of ginger, sprinkle salt and lemon juice on it as per taste and let it dry in sunlight. Keep dried ginger pieces in bottle. Chewing these dried ginger pieces is beneficial for cough It instantly stops coughing.

2. For Hard Breathing: For hard breathing and other breathing troubles, mix luke warm ginger juice with honey. Licking it provides comfort in breathing.

3. For Indigestion: Take 3-4 pieces of ginger mixed with lemon juice and salt before food. Ginger digests food when taken before or with food. You can also cook vegetable with ginger or sprinkle ginger pieces over vegetable.

4. To control obesity: Take 3-4 tbsp ginger juice with rock salt and a few drops of lemon juice. This ginger syrup induces apatite.

अदरक – अदरक के प्रयोग एवं लाभ

अदरक एक प्रकार की सब्जी है जो गले से संबंधित समस्याओं को दूर करने में बहुत ही लाभदायक है। यह घाव को ठीक करने में लाभदायक है। जाड़े के मौसम में इसका प्रयोग बहुत ही ज्यादा किया जाता है। इसका प्रयोग स्थिति एवं समस्या के अनुरूप किया जाता है।

भारत के विभिन्न भागों में उत्पादित किया जाने वाला अदरक औषधीय एवं अन्य दृष्टिकोण से बहुत ही लाभदायक है। उसके प्रयोग और लाभ निम्नवत है।

1. कफ को दूर करने में सहायकः अदरक के साथ नमक एवं नीबू के रस मिलाकर उसे धूप में सुखा लिया जाता है। सूखे हुए अदरक के टुकडे को बोतल में रखें। कफ होने पर अदरक के टुकड़े का सेवन करें। यह कफ दूर करने में सहायक है।

2. सांस लेने में कठिनाई होने पर अदरक के गर्म जूस के साथ शहद के साथ लेने पर सांस की कठिनाई दूर होती है।

3. अपच दूर करने में लाभदायकः अदरक के 3–4 टुकड़ों को नीबू के रस में नमक मिलाकर भोजन करने के पूर्व लेने से अपच दूर होता है। अदरक खाने के साथ या खाने से पूर्व सेवन करने पर भोजन को पचाता है। सब्जियों के पकाने के साथ ही अदरक का प्रयोग किया जा सकता है।

4. मोटापा दूर करने में लाभदायकः 3–4 टुकड़ों को सैंधा नमक एवं नीबू के रस के साथ मिलाकर खाने से मुटापा दूर होता है। अदरक का जूस मुटापे को दूर करता है।

"When the last tree is cut and the last fish killed, the last river poisoned, then you will see that you can't eat money."

- John May, The Greenpeace Story

Lifetime Members

1 M/s. Jain Vidyut
2 M/s. Rungta Agencies
3 Shri. Krishna Chandraji Shashtri (Thakurji)
4 Shri. Sidharth Saraff
5 Shri. Shankar Lal Aggarwal
6 M/s. Starlite Lighting Limited
7 M/s. Chandresh Cables Pvt Ltd
8 Smt. Shobha Kanoi
9 Smt. Urmila Pasari
10 M/s. Industrial Forging Industries
11 Smt. Anita Agarwal
12 M/s. Kranthi Road Transport
13 M/s. Astra Lighting Ltd
14 M/s. Lumens Aircon Pvt Ltd
15 Smt. Prafulla Dahanukar
16 M/s. Konark Fixtures Limited
17 M/s. Sangeeta Appliances Pvt Ltd
18 M/s. Sansar Metal Industries
19 M/s. Prathoma Switchgears Pvt Ltd
20 Shri. Ramchandran K
21 M/s. Piyush Electricals
22 Shri. Gopal Mundhada
23 Shri. Ajay Kumar
24 Smt. Kiran Bajaj
25 Shri. Anant Bajaj
26 Shri. Shekhar Bajaj
27 M/s. APS Packaging Pvt Ltd
28 M/s. Bharat Wire Ropes Limited
29 M/s. Hercules Hoists Limited
30 M/s. Alpine Electrical Mfg Co Pvt Ltd
31 Smt. Pooja Bajaj
32 Ms. Geetika Bajaj
33 M/s. Power Pack Enterprises
34 Smt. Shruti Jatia
35 M/s. Darpan Electricals
36 M/s. Esters & Solvents
37 M/s. Tirupati Sales Corporation
38 Shri. Sushil Chandra Raisurana
39 M/s. Lumino Industries Ltd
40 Shri. Om Prakashji Dhanuka
41 M/s. Venture Lighting India Pvt Ltd
42 M/s. Ritesh Electricals
43 M/s. Positronics Pvt Ltd
44 M/s. Hind Lamp Staff Club
45 M/s. Bajaj Electricals Limited
46 M/s. Mayank Electro Limited
47 M/s. Selz business House
48 M/s. Mahavira Trading Co
49 M/s. Parco Engineers (M) Pvt Ltd
50 Ms. Vanya Pasari
51 M/s. Alpha Lighting Devices Pvt Ltd
52 M/s. Bajaj International Private Limited
53 M/s. Hind Musafir Agency Limited
54 M/s. Multi Lighting Controls Pvt Ltd
55 M/s. Rahul Cables Pvt ltd
56 M/s. Haveloid Industries
57 Shri. Piyush J Shah
58 Shri. KC Shetty
59 Shri. Karunakar Shetty
60 Shri. Jagdish Gupta
61 Shri. Narotam Sekhsaria
62 Smt. Asha Joshi
63 M/s. Sunjewels International Limited
64 Master. Aman Dhanuka
C/o Mr Chandra Dhanuka
65 M/s. Asian Metals & Tools Corp
66 Smt.Annuradha Toshniwal
67 Smt. Sudeepta Vyas
68 Ms. Avika Pasari
69 Smt Ekta Shah
70 Ms. Sarita Shroff
71 Ms. Jauanti Dalmiy

आजीवन सदस्य

1 मै./जैन विद्युत
2 मै./रुंगटा ऐजेन्सी
3 श्री कृष्ण चन्द्रजी शास्त्री (ठाकुरजी)
4 श्री सिद्धार्थ सर्राफ
5 श्री शंकर लाल अग्रवाल
6 मै./स्टारलाइट लाइटिंग लिमिटेड
7 मै./चन्द्रेश केबल्स प्रा.लि0
8 श्रीमती शोभा कनोई
9 श्रीमती उर्मिला पसारी
10 मै.इंडिस्ट्रयल फोर्जिंग इण्डस्ट्रीज
11 श्रीमती अनीता अग्रवाल
12 मै. क्रान्ति रोड़ ट्रांसपोर्ट
13 मै./ एस्ट्रा लाइटिंग लि.
14 मै./ ल्यूमेन्स एयरकॉन प्रा.लि.
15 श्रीमती प्रफुल्ला दहाणुकर
16 मै./कोनार्क फिक्चर्स लि.
17 मै./संगीता एपलियांसेस प्रा.लि.
18 मै./संसार मेटल इण्डस्ट्रीज
19 मै./ प्रथमा स्विचगियर्स प्रा.लि.
20 श्री रामचन्द्रन के
21 मै. पीयूष इलेक्ट्रिकल्स
22 श्री गोपाल मन्धाता
23 श्री अजय कुमार
24 श्रीमती किरण बजाज
25 श्री अनन्त बजाज
26 श्री शेखर बजाज
27 मै./एपीएस पैकिंग प्रा.लि.
28 मै./भारत वायर रोप्स लि.
29 मै./ हरक्यूलस हव्रायट्स लि.
30 मै./अल्पाइन इलेक्ट्रीकल मेन्यू. कं. प्रा. लि.
31 श्रीमती पूजा बजाज
32 कु. गीतिका बजाज
33 मै./पावर पैक इण्टरप्राइजेज
34 श्रीमती श्रुति जटिया
35 मै./दर्पण इलैक्ट्रीकल्स
36 मै. ईस्टर्स एण्ड सोल्वेंटस
37 मै. तिरूपति सेल्स कार्पोरेशन
38 श्री सुशील चन्द्र रायसुराणा
39 मै./ ल्यूमिनो इण्डस्ट्रीज लि.
40 श्री ओमप्रकाशजी धानुका
41 मै. वेंचर लाइटिंग इण्डियां प्रा.लि.
42 मै./रीतेश इलेक्ट्रीकल्स
43 मै. पोसीट्रोनिक्स प्रा.लि.
44 मै. हिन्द लैम्पस् स्टॉफ क्लब
45 मै. बजाज इलैक्ट्रीकल्स लि.
46 मै./मंयक इलैक्ट्रो लिमिटेड
47 मै. सेल्ज बिजनेस हाउस
48 मै./ महावीर ट्रेडिंग कं.
49 मै. पार्को इंजीनियर्स (एम) प्रा.लि.
50 कु. वान्या पसारी
51 मै/. अल्फा लाइटिंग डिवाइस प्रा.लि.
52 मै/. बजाज इण्टरनेशनल प्रा.लि.
53 मै./हिन्द मुसाफिर एजेन्सी लि.
54 मै. मल्टी लाइटिंग कन्ट्रोल प्रा.लि.
55 मै. राहुल केविल प्रा.लि.
56 मै. हैवलॉड इण्डस्ट्रीज
57 श्री पीयूष जे शाह
58 श्री के सी शेट्टी
59 श्री करुनाकर शेट्टी
60 श्री जगदीश गुप्ता
61 श्री नरोत्तम सेकसरिया
62 श्रीमती आशा जोशी
63 मै./ सुजेवेल्स इण्टरनेशनल लि.
64 मास्टर अमन धानुका
65 मै. एशियन मेटल्स एण्ड टूल्स कारपोरेशन
66 श्रीमती अनुराधा तोषनीवाल
67 श्रीमती सुदीप्ता व्यास
68 कु. अविका पसारी
69 श्रीमती एकता शाह
70 कु. सरिता श्रॉफ
71 कु. जयन्ती डालमिया

पर्यावरण मित्र
Friends of Environment

Green Movement:
- Tree Plantation
- Development of small forests
- Green Belts
- Nursery Development - Indoor/Outdoor

Organic Farming:
- Soil Testing
- Organic Manure and pesticides
- Organic Kitchen Garden
- Organic Agriculture
- Organic Fruit & Medicinal Plants

Water Conservation:
- Rain Water Harvesting
- Water Purification
- ETP in factories
- Revival of ponds and water bodies

Cleanliness Drives Training:
- To farmers and students
- Discussion & Interactions with School & College Students, Farmers and Doctors

Awareness Programme:
- Celebration of the important international environment days
- Wall writing
- Rallies and Seminars
- Street Plays and Drawing & Painting Contests
- Campaign against plastic, tobacco, noise pollution
- Exchange of information & Projects with other NGO's

हरित आंदोलन:
- वृक्षारोपण
- लघु वनों का विकास
- ग्रीन बेल्ट
- नर्सरी का विकास–घर के अंदर/बाहर

जैविक खेती:
- मिट्टी परिक्षण
- जैविक खाद एवं कीटनाशक
- जैविक किचन गार्डन
- जैविक कृषि
- जैविक फल एवं औषधि पौधे

जल संरक्षण:
- वर्षा जल संचयन
- जल शुद्धिकरण
- कारखानों में ईटीपी
- तालाबों और जलाशयों का पुनरुद्धार

स्वच्छता अभियान प्रशिक्षण:
- किसानों और विद्यार्थियों को प्रशिक्षण
- स्कूल और कॉलेज विद्यार्थियों, किसानों एवं डॉक्टरों से चर्चा एवं बातचीत

जागरूकता कार्यक्रम:
- महत्वपूर्ण विश्व पर्यावरण दिवस मनाना
- वाल राइटिंग
- रैलियां और गोष्ठियां
- नुक्कड़ नाटक तथा चित्रकला प्रतियोगिताएं
- प्लास्टिक, तम्बाकू, ध्वनि प्रदूषण के विरुद्ध अभियान
- अन्य गैर–सरकारी संगठनों के साथ परियोजनाएं और सूचनाओं का आदान–प्रदान

Paryavaran Mitra Managing Committee:

President	:	Kiran Bajaj
Secretary	:	Mangesh Patil
Treasurer	:	Srikant Pandey
Executive Committee	:	Shekhar Bajaj, Mukul Upadhyaya, Peter D'souza, Dr. A.K. Ahuja, Dr. Rajni Yadav, Mukesh Manikanchan, Hari Om Sharma, Manmohan Singh, Raj Kishor Singh, Abhay Dixit.
Auditor	:	Shikhar Sarin

पर्यावरण मित्र संचालक समिति:

अध्यक्ष	:	किरण बजाज
सचिव	:	मंगेश पाटील
कोषाध्यक्ष	:	श्रीकांत पाण्डेय
कार्यसमिति सदस्य	:	शेखर बजाज, मुकुल उपाध्याय, पीटर डिसोजा, डॉ. ए.के. आहूजा, डॉ. रजनी यादव, मुकेश मनिकांचन, हरीओम शर्मा, मनमोहन सिंह, राजकिशोर सिंह, अभय दीक्षीत
लेखापरीक्षक	:	शिखर सरीन

Contact :-

Mumbai : Kiran Bajaj - President, Praful Phadke
Bajaj Electricals Ltd., 701, 9th Floor, Rustomjee Aspiree, Bhanu Shankar Yagnik Marg, Sion, Mumbai - 400 022. Ph.: 24064200
Mob.: 09920949434
E-Mail: **Paryavaran.mitra@bajajelectricals.com**
Website: www.paryavaranmitra.org

Shikohabad : Shashikant Pandey, Mohit Jadon
Hind Lamps Ltd., Shikohabad, Dist : Firozabad, 205141
Mob.: 09897595419, 09358361489
Phone No.: 05676-234018, FAX - 05676-234018, 234300.
E-Mail: **pmhoskb@gmail.com, pmhoskb@yahoo.com**

सम्पर्क :

मुम्बई : किरण बजाज – अध्यक्ष, प्रफुल फडके,
बजाज इलैक्ट्रिकल्स लि., ७०१, ९ माला, रुस्तमजी अस्पायरी, भानुशंकर याज्ञिक मार्ग, सायन, मुम्बई : ४०००२२. टे: २४०६४२००
मो.: ०९९२०९४९४३४
ई–मेल : **Paryavaran.mitra@bajajelectricals.com**
वेब साइट : www.paryavaranmitra.org

शिकोहाबाद : शशिकान्त पाण्डेय, मोहित जादौन
हिन्द लैम्प्स लि. शिकोहाबाद, जिला : फिरोजाबाद, २०५१४१
मो.: ०९८९७५९५४१९, ०९३५८३६१४८९
फोन नं.: ०५६७६–२३४०१८, फैक्स : ०५६७६–२३४०१८,२३४३००.
ई–मेल : **pmhoskb@gmail.com, pmhoskb@yahoo.com**